राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 08 अक्टूबर 2023 वर्ष–6,अंक–257 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जाति जनगणना नीतीश कुमार के तरकश का आखिरी तीर या 2024 में पलट देंगे बाजी?

नई दिल्ली। 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजय रथ को रोकने के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विपक्षी एकजुटता का आह्वान किया, जिसमें अधिकांश विपक्षी दल साबित हुए। इसके बाद उन्होंने जाति गणना की रिपोर्ट को जारी करके अपनी मंशा को उजागर कर दिया है। उनके इस कदम से सत्ता पक्ष को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है। भारत में जाति इतना संवेदनशील मुद्दा है कि यह महिला आरक्षण जैसे मुद्दे पर भारी साबित हो सकता है। हालांकि, राष्ट्रवाद ऐसा मुद्दा है जिसके सामने यह नहीं टिक पाता है और बीजेपी खुलकर इस मुद्दे को भुनाती है।

अब बात नीतीश कुमार की। वह ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिनके पास सिर्फ 48 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। बिहार विधानसभा में वह तीसरी बड़ी पार्टी हैं। उन्होंने अपनी प्रासंगिकता को बनाकर रखा है, जो कि उनकी राजनीति करने का स्टाइल है। यही कारण है कि नीतीश कुमार जिस जाति (कुर्मी) से आते हैं, वह बिहार की आबादी में मात्र 2.87 प्रतिशत है। इसके बावजूद वह करीब 18 वर्षों से मुख्यमंत्री बने हुए हैं।

नीतीश कुमार को एक कुशल रणनीतिकार और सोशल राजनीति में माहिर खिलाड़ी माना जाता है। जाति गणना को उनके मास्टरस्ट्रोक के तौर पर देखा जा रहा है। बिहार की राजनीति की समझ रखने वाले

लोगों का कहना है कि जाति गणना करवाकर नीतीश कुमार ने बिहार से लेकर दिल्ली तक अपनी प्रासंगिता को बढ़ाया है, बल्कि अपने साथी राजद को भी नियंत्रित करने की कोशिश की है। आपको बता दें कि राजद के कई नेता दबी जुबान तेजस्वी यादव के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी की लगातार मांग कर रहे हैं।

जाति गणना राजद को नियंत्रित करने का तरीका

जेडीयू के अलावा नीतीश कुमार की महागठबंधन सरकार में राजद, कांग्रेस और वाम दलों का एक समूह शामिल है। 2020 का विधानसभा चुनाव भाजपा के साथ गठबंधन में लड़ने के बाद नीतीश ने 2022 में राज्य के विपक्षी गुट से हाथ मिला लिया। बिहार विधानसभा में राजद सबसे बड़ी पार्टी है। लेकिन जाति सर्वेक्षण के साथ नीतीश कुमार ने अपनी ताकत बढ़ा ली है। उन्होंने दोहराया है कि वह सिर्फ कुर्मियों के नेता नहीं हैं, बल्कि अत्यंत पिछड़े वर्गों (ईबीसी) के भी नेता हैं। जाति सर्वेक्षण के अनुसार, बिहार की आबादी में ईबीसी का प्रतिशत 36 है। वहीं, बिहार की आबादी में 14 प्रतिशत यादव हैं। राजद यादव-मुस्लिम गठबंधन पर निर्भर है, लेकिन यहां भी नीतीश कुमार ने जाति सर्वेक्षण से सेंध लगाने की कोशिश की है।

नीतीश की मुसलमानों को लुभाने की कोशिश

इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक, बिहार के वरिष्ठ पत्रकार संतोष सिंह कहते हैं, मुसलमानों को ईबीसी में शामिल कर नीतीश कुमार ने मुस्लिम राजनीति के पिच पर खेलने की कोशिश की है। वह पसमांदा मुस्लिम के एक वर्ग को आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। यही कारण है कि नीतीश कुमार ने पसमांदा मुसलमानों के नेता अली अनवर अंसारी को आगे बढ़ाया। इससे राजद का महत्वपूर्ण वोट बैंक मुस्लिम छिटक सकता है। इस जाति सर्वेक्षण से नीतीश को उम्मीद है कि वह राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण ईबीसी के बीच अपनी स्थिति मजबूत कर लेंगे। नीतीश कुमार के सत्ता में रहने के लिए ईबीसी महत्वपूर्ण रहे हैं और उन्होंने 2005 से कल्याणकारी योजनाओं के साथ इस वोट आधार को पोषित किया है। आपको बता दें कि तमिलनाडु, कर्नाटक और यहां तक कि केंद्र सरकार ने भी जाति सर्वेक्षण कराए थे, लेकिन किसी का भी नतीजा सामने नहीं आया। बिहार पहला राज्य है जिसने 2 अक्टूबर को अपने जाति सर्वेक्षण के परिणाम घोषित कर दिया।

क्या राष्ट्रीय राजनीति में वापस आ गए हैं नीतीश?

बिहार की राजनीति में एक कोने में सिमटे नीतीश कुमार राष्ट्रीय मंच पर भी हाशिए पर धकेले जा रहे थे। इस बात की संभावना है कि जाति जनगणना ने उन्हें राष्ट्रीय राजनीति में एक मौका दे दिया है। नीतीश कुमार के प्रधानमंत्री बनने के सपने की भी खूब चर्चा होती है, लेकिन उन्होंने कभी इस बारे में खुलकर बात नहीं की है। इंडिया गठबंधन की हाल की कुछ बैठकों में नीतीश कुमार को दरकिनार कर दिया था। अब स्थिति बदलने की पूरी संभावना है। कांग्रेस को अब यह सोचने पर मजबूर होना पड़ेगा कि इंडिया गठबंधन में नीतीश कुमार को कौन सा पद दिया जाए। 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत के अंतर ने नीतीश कुमार को सतर्क कर दिया। अब वह जाति गणना के जरिए ईबीसी को वापस आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं। संतोष सिंह कहते हैं, %%नीतीश 2019 की हार के बाद अपनी ईबीसी राजनीति को फिर से शुरू कर रहे हैं। फिलहाल नीतीश कुमार ने एक तीर से एक नहीं बल्कि कम से कम तीन शिकार किए हैं। उन्होंने पार्टी के आंतरिक मुद्दे को संभाला है। राजद की धमकी का भी जवाब दिया है। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रासंगिता को मजबूत किया है।

मेरठ एक्सप्रेसवे पर दो लूप बनाने की तैयारी, एनसीआर के लोगों को मिलेगा यह फायदा

गाजियाबाद। लाल कुआं और एबीईएस कॉलेज के पास मेरठ एक्सप्रेसवे पर दो लूप बनाने की तैयारी शुरू हो गई। एनएचएआई ने लूप के डिजाइन तैयार कर मंजूरी के लिए सड़क एवं परिवहन मंत्रालय को भेज दिया है। स्थानीय लोग प्रवेश और निकास के लिए लूप बनवाने की लंबे समय से मांग कर रहे हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन राजमार्ग एवं नागर विमानन राज्यमंत्री डॉ. वीके सिंह ने पिछले दिनों एनएचएआई अधिकारियों के साथ एनएच-9 और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया था। मंत्री से स्थानीय लोग दिल्ली से मेरठ आते हुए लाल कुआं पर मेरठ से दिल्ली जाते हुए क्रॉसिंग रिपब्लिक (एबीईएस कॉलेज) पर प्रवेश-निकास द्वार की मांग कर रहे हैं। वीके सिंह ने एनएचएआई अधिकारियों को साथ लेकर लूप बनाने के बारे में समझा। इसके बाद उन्होंने योजना बनाने के निर्देश दिए। एनएचएआई ने लूप बनाने का डिजाइन तैयार कर लिया। मंजूरी के लिए सेफ्टी एवं तकनीकी कमेटी को भेजा है। मंजूरी के बाद लूप बनाने का काम शुरू हो जाएगा। लाल कुआं निवासी रोहित शर्मा ने कहा, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर लाल कुआं और एबीईएस कॉलेज के पास लूप बनाने की मांग की जा रही है। इन दोनों जगह पर प्रवेश और निकास स्थान नहीं होने से मेरठ एक्सप्रेसवे पर सफर नहीं किया जा रहा है। एनएच-9 की लेन पर जाम रहता है। केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने लूप बनवाने का आश्वासन दिया है। क्रॉसिंग रिपब्लिक के कमल कुमार ने कहा, केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने लोगों की मांग पूरी की है। मेरठ एक्सप्रेसवे पर लूप बनाने की पुरानी मांग है। लूप बनने से बड़ी संख्या में वाहन चालकों और लोगों को को लाभ मिलेगा। इसके बनने के बाद स्थानीय लोग जाम में फंसे बिना सफर कर सकेंगे। लूप बनने का काम जल्दी शुरू होना चाहिए। केंद्रीय राज्य मंत्री वीके सिंह ने कहा, लोगों की मांग पर मेरठ एक्सप्रेसवे पर लाल कुआं और एबीईएस के पास लूप बनाए जाएंगे। इनका डिजाइन तैयार करा लिया है। जल्दी सभी औपचारिकता पूरी कर काम शुरू कराया जाएगा एनएच-9 पर रोजाना लगने वाले जाम से लोगों को राहत नहीं मिल रही। एनएच-9 की लेन पर सुबह और शाम वाहनों का दबाव बढ़ने से जाम रहता है। इस कारण परेशानी उठानी पड़ती है। वहीं रोक के बाद हाईवे पर ऑटो और ई-रिक्शा चलते हैं।

बेकाबू ट्रक ने राहगीरों को रौंदा, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

शाजापुर। मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले में शुजालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत अकोदिया रोड पर शुक्रवार देर शाम भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने सामने जा रहे ट्रैक्टर-ट्राली को टक्कर मारने के बाद रोड किनारे चल रहे राहगीरों को रौंद दिया। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत गई, जबकि एक युवक घायल हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू की। मृतक एक ही परिवार के सदस्य थे। शुजालपुर थाना पुलिस के अनुसार, ग्राम खेड़ीनगर निवासी एक ही परिवार के पांच लोग अपने खेत पर काम करने के बाद घर लौट रहे थे। इसी दौरान शुजालपुर-अकोदिया रोड पर ट्रैक्टर-ट्राली से टकराने के बाद एक बेकाबू ट्रक ने चार लोगों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे में

एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ है। हादसे के बाद चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर भाग गया।

शुजालपुर एसडीएम सत्येंद्रसिंह ने बताया कि हादसे में लीलाबाई (65) पत्नी गणपतसिंह, अमन बरोलिया उम्र 25 वर्ष, उसकी गर्भवकी पत्नी वर्षा उम्र 23 वर्ष और उनका भांजे 12 वर्षीय नैतिक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में राहुल का नाम का एक युवक घायल हुआ है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। हादसे के बाद मौके पर काफी भीड़ लग गई थी। पुलिस और प्रशासन ने मामले को शांत कराया। मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचाए गए हैं। पुलिस द्वारा ट्रक जब्त कर लिया गया है। बताया जा रहा है कि हादसे स नाराज लोगों ने ट्रक में आग लगाने की कोशिश भी की। शाजापुर कलेक्टर किशोर कन्याल ने बताया कि हादसा बहुत ही दुखद है। पुलिस, प्रशासन और चिकित्सा टीम काम कर रही है। हमारे द्वारा मामले मं नियमानुसार आर्थिक सहायता भी दी जा रही है।

एशियन गेम्स में भारत की 'सेंचुरी' पर पीएम मोदी ने दी बधाई

10 अक्टूबर को खिलाड़ियों से मिलेंगे

नई दिल्ली। चीन के हांगझोऊ में चल रहे एशियन गेम्स 2023 में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत की महिला कबड्डी टीम ने मैच में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है। महिला टीम के गोल्ड मेडल जीतने के बाद भारत ने 100 मेडल का आंकड़ा छू लिया है। इस पल पर पूरे देश को गर्व है, क्योंकि अब तक किसी भी एशियन गेम्स में भारत ने 100 का आंकड़ा नहीं छुआ था। मालूम हो कि एशियन गेम्स के खिलाड़ियों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 अक्टूबर को खास मुलाकात

करेंगे। इस दौरान वे उन सभी खिलाड़ियों से मिलेंगे, जिन्होंने भारत का नाम ऊंचा किया है और इसको ऐतिहासिक गेम्स बना दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि एशियाई खेलों में भारत के 100 पदक हासिल करना एक उपलब्धि है।

पीएम मोदी ने किया पोस्ट

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, एशियाई खेलों में भारत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि! भारत के लोग इस बात से रोमांचित हैं कि हम 100 पदकों की उल्लेखनीय उपलब्धि तक पहुंच गए हैं। मैं अपने अभूतपूर्व एथलीटों को हार्दिक बधाई देता हूं, जिनके प्रयासों से भारत को यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल हुई है। पीएम मोदी ने कहा, प्रत्येक विस्मयकारी प्रदर्शन ने इतिहास रचा है और हमारे दिलों को गर्व से भर दिया है। मैं 10 तारीख को हमारे एशियाई खेलों के दल की मेजबानी करने और हमारे एथलीटों के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं।

प्रौद्योगिकी कानूनी व्यवस्था का हिस्सा: सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को कहा कि प्रौद्योगिकी अब पसंद का विषय नहीं, बल्कि कानूनी प्रणाली का हिस्सा है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला तथा न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की अनुमति नहीं देने के फैसले के खिलाफ वकील सर्वेश माथुर की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। पीठ की अध्यक्षता कर रहे न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने सभी उच्च न्यायालयों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि बार के किसी भी सदस्य को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाओं या हाइब्रिड सुविधा के माध्यम से सुनवाई में भाग लेने से वंचित न किया जाए, क्योंकि प्रौद्योगिकी कानूनी किताबों की तरह ही कानूनी व्यवस्था का एक हिस्सा है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि देश के सभी न्यायाधीशों को यह महसूस करना होगा कि प्रौद्योगिकी अब पसंद का विषय नहीं है। यह कानूनी प्रणाली का हिस्सा है। पीठ ने कहा, हमें सूचित किया गया है कि बॉम्बे उच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालय से सभी वीडियो उपकरण रद्द कर दिए हैं। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्लेटफॉर्म के जरिए कोई सुनवाई नहीं हो रही है। पीठ ने महाराष्ट्र के महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ से पूछा, हमें बताएं! देश के प्रमुख वित्तीय केंद्रों में से एक उच्च न्यायालय प्रौद्योगिकी के मामले में इतना पीछे क्यों है? पीठ ने कहा, हमारे पास अदालत कक्ष में इंटरनेट होना चाहिए। उच्च न्यायालय परिसर में इंटरनेट सुविधाएं होनी चाहिए, जैसा कि शीर्ष अदालत में उपलब्ध है। पीठ ने इस पर निराशा व्यक्त की कि कई उच्च न्यायालय केंद्र द्वारा धन आवंटित किए जाने के बावजूद वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के लिए पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने में विफल रहे हैं। पीठ ने कहा कि इस मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय काफी पीछे नजर आ रहा, जबकि केरल और उड़ीसा प्रौद्योगिकी को अपनाने में अन्य उच्च न्यायालयों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पीठ ने देशभर के सभी उच्च न्यायालयों और न्यायाधिकरणों में सुविधा की उपलब्धता और इसके उपयोग की जांच करने का निर्णय लिया।

जी20 के बाद पी20 की तैयारी में जुटा भारत, 13 अक्टूबर को पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। जी-20 देशों के राष्ट्र प्रमुखों के शिखर सम्मेलन के बाद भारत अब अगले हफ्ते इन देशों के संसदीय सम्मेलन पी-20 की मेजबानी करेगा। इसमें वैश्विक मुद्दों का लोकतांत्रिक ढांचे में समाधान निकालने के तौर-तरीकों पर चर्चा होगी। खास बात यह है कि कनाडा के साथ जारी तनातनी के बीच कनाडाई संसद सीनेट के अध्यक्ष भी इस सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा के दौरान कहा कि सम्मेलन से इतर कनाडाई संसद के अध्यक्ष के साथ सभी आपसी मुद्दों को उठाया जाएगा। इस सम्मेलन में जी-20 सदस्य देशों के साथ 10 आमंत्रित देशों के 25 स्पीकर और 10 डिप्टी स्पीकर के अलावा इन देशों के 50 से अधिक सांसद भी शामिल होंगे।

पी 20 की तैयारियों में जुटा भारत-जी-20 देशों का नौवां पी-20 सम्मलेन 13-14 अक्टूबर को द्वारका में नवनिर्मित इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर में होगा जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 अक्टूबर

करेंगे। स्पीकर ओम बिरला ने मीडिया को बताया कि सम्मेलन में पैन अफ्रीकी संसद के अध्यक्ष पहली बार भारत में पी-20 सम्मेलन में भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि भावना के साथ भारत का लक्ष्य अधिक समावेशी, शांतिपूर्ण और न्यायसंगत विश्व की दिशा में जटिल वैश्विक मुद्दों का सर्वसम्मति पर आधारित समाधान प्रदान करना है। संसदीय सम्मेलन के दौरान चार उच्चस्तरीय सत्रों का आयोजन किया जाएजा जिसमें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के लिए एजेंडा 2030 के लक्ष्य को गति देना, सतत ऊर्जा परिवर्तन- हरित भविष्य के प्रवेश द्वार।

लैंगिक समानता को मुख्यधारा में लाना-महिला सशक्तीकरण एवं महिलाओं के नेतृत्व में विकास और सार्वजनिक डिजिटल प्लेटफार्मों के माध्यम से लोगों के जीवन में परिवर्तन विषय हैं। इससे पूर्व 12 अक्टूबर को लाइफ-पर्यावरण के लिए जीवन शैली पर एक संसदीय फोरम आयोजित किया जाएगा।

कनाडा के साथ तनाव के मद्देजर उसकी संसद के अध्यक्ष के साथ खालिस्तान समर्थक आतंकी का मुद्दा उठाए जाने के सवाल पर बिरला ने कहा कि सत्र के दौरान तय विषयों पर चर्चा होगी, लेकिन अनौपचारिक बातचीत में सभी मुद्दे उठाए जाएंगे। अमेरिकी सीनेट के अध्यक्ष को हटा दिए जाने के बाद वहां का प्रतिनिधित्व करने के सवाल पर स्पीकर ने कहा कि अमेरिकी संसद के विदेश विभाग के अध्यक्ष इसमें शामिल होने के लिए आ रहे हैं और अगर वहां नए अध्यक्ष नियुक्त हो गए तो वह भी आ सकते हैं।

पीएम और नरेंद्र मोदी स्टेडियम को उड़ाने की धमकी, बदले में लॉरेंस बिश्नोई को छोड़ने की मांग

मुंबई। मुंबई पुलिस को धमकी भरा एक मेल आया है। इसमें प्रधानमंत्री और अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम को धमाके से उड़ाने की वार्निंग दी गई। गुरुवार रात मिले इस मेल में सेंडर ने इसके बदले भारत सरकार से 500 करोड़ रुपये की मांग की है। साथ ही कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई को रिहाई भी मांगी गई है। मालूम हो कि बिश्नोई दिल्ली की मंडोली जेल में बंद है और नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के कई मैच होने हैं। ईमेल में कहा गया कि आतंकी गुट ने हमलों को अंजाम देने के लिए पहले से ही अपने लोगों को तैनात कर दिया है। पुलिस के अनुसार, यह धमकी भरा मेल राष्ट्रीय जांच एजेंसी को भेजा गया था जिसकी सूचना उसने मुंबई पुलिस को दी है। माना जा रहा है कि यह मेल यूरोप से भेजा गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया, %एनआईए से हमें ईमेल मिला है। इसे लेकर हमने सभी संबंधित एजेंसियों को सतर्क कर दिया है। हमें वह ईमेल आईडी भी मिली है जिससे एनआईए को ईमेल भेजा गया था। फिलहाल हम उसका पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। शुरुआती जांच में यह मेल यूरोप से भेजा गया मालूम

पड़ता है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि मेल में दी गई धमकी फर्जी भी मालूम पड़ती है। यह विदेश में बैठे किसी व्यक्ति की शरारत हो सकती है। हालांकि, सभी क्रिकेट मैचों की सुरक्षा की समीक्षा की जाएगी और जरूरत पड़ी तो सिक्योरिटी बढ़ाई जा सकती है।

अगर सरकार ने हमें 500 करोड़ रुपये नहीं दिए तो...धमकी भरे मेल में कहा गया, अगर सरकार हमें 500 करोड़ रुपये देने और लॉरेंस बिश्नोई को रिहा करने में विफल रही तो हम नरेंद्र मोदी और नरेंद्र मोदी स्टेडियम को भी उड़ा देंगे। हिंदुस्तान में तो सब कुछ बिकता है और हमने भी कुछ खरीदा है। तुम कितना भी सुरक्षित रहो मगर हमसे नहीं बच पाओगे। अगर कोई बात करना चाहते हो तो इस ईमेल पर ही करो। गौरतलब है कि खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू भी विश्व कप मैचों पर हमले की धमकी दे चुका है। पन्नू के खिलाफ पहले से ही मामला दर्ज है। उसने तीन सप्ताह पहले ही शाहीद निजार की हत्या का बदला लेने की धमकी दी थी।

पन्नू ने विदेशी नंबर से रिकॉर्ड किए गए भेजे मैसेज-अहमदाबाद पुलिस की साइबर अपराध शाखा ने स्नढ्ढक में कहा कि पन्नू ने किसी विदेशी नंबर से पहले से रिकॉर्ड किए संदेश के जरिए देश के लोगों को धमकी दी। साइबर अपराध शाखा के उप निरीक्षक एचएन प्रजापति की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया, %संज्ञान में आया है कि कई लोगों को फोन नंबर +447418343648 से पहले से रिकॉर्ड धमकी भरा संदेश मिला है। जिन-जिन लोगों को यह संदेश मिला है उनमें से कई ने विभिन्न माध्यमों के जरिए पुलिस को इसकी शिकायत की है। मोबाइल फोन उपयोगकर्ता के कॉल उठाने के बाद बजने वाले पहले से रिकॉर्ड किए गए संदेश में कहा गया कि 5 अक्टूबर को क्रिकेट विश्व कप की शुरुआत नहीं होगी, बल्कि विश्व आतंक कप की शुरुआत होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

गणना पर रोक नहीं

सर्वोच्च न्यायालय ने बिहार में जाति सर्वेक्षण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है और इस पर बिहार सरकार की प्रतिक्रिया मांगी है। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और एसवीएन भट्टी की पीठ ने सरकार को अब तक प्रकाशित आंकड़ों पर आगे कोई कार्रवाई करने से रोकने या सर्वेक्षण के परिणाम प्रकाशित करने के किसी भी कदम में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। एक सोच एक प्रयास बनाम भारत संघ और अन्य का यह मामला अभी पूरी तरह से शांत नहीं होने वाला। पहले भी पटना उच्च न्यायालय से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक जातिगत गणना को रोकने के लिए एकाधिक बार दस्तक दी गई है, पर ज्यादातर बार न्यायालय का रुख गणना के पक्ष में ही रहा है। चुनौतियों के बावजूद अदालती सहमति से गणना हो चुकी है और उसके आंकड़े भी जारी हो चुके हैं। इसके बावजूद सर्वोच्च न्यायालय में इसे चुनौती देना किसी आश्चर्य से कम नहीं है। जब अनेक राज्यों में ऐसी ही गणना या आंकड़े जारी करने की तैयारी है, और यह एक तरह से बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गया है। ऐसे में, न्यायालय का दरवाजा बार-बार खटखटाने के भला क्या मायने हैं? क्या यह संसाधन के साथ-साथ अदालती समय की बर्बादी नहीं है? अदालत को भी सचेत भाव से अंतिम तौर पर इस विवाद का पटाक्षेप करना चाहिए। यह चुनौती बहुत गंभीर मामला नहीं है और इसलिए मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 में रखी गई है। तब तक बिहार सरकार के पास पर्याप्त समय है कि वह इन आंकड़ों के सहारे अपनी कुछ अच्छी योजनाओं को आकार दे और अदालत में ज्यादा मजबूती से जवाब दे। गोपनीयता या निजता के उल्लंघन का हवाला देकर जाति गणना को रुकवाने का आधार कमजोर है। भारत में किसी की जाति के बारे में जानना बहुत आसान है। लोग अपनी-अपनी जाति का लाभ लेने से खुद को अभी अलग नहीं कर पाए हैं। अत- किसी की जाति निजता का मामला नहीं है। अनेक सरकारी कागजों में जाति का उल्लेख होता है। शायद ही कोई पार्टी होगी, जिसके पास किसी इलाके के जातिगत आंकड़े न होंगे, पर ऐसे अनधिकृत आंकड़ों पर कभी रोक नहीं रही है। अब जब आधिकारिक रूप से गणना हुई है, तब उस पर रोक की तो कोई गुंजाइश ही नहीं बनती है। विरोध का एक दूसरा पहलू भी है, जिसकी दुहाई केंद्रीय गृह मंत्रालय अपने जवाबी हलफनामे में पहले दे चुका है कि 1948 में बने जनगणना अधिनियम के तहत केवल केंद्र सरकार ही जनगणना कर सकती है, पर बिहार सरकार ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि यह जनगणना नहीं है, यह सामान्य गणना या सर्वेक्षण है। पटना उच्च न्यायालय भी मान चुका है कि यह सर्वेक्षण उचित योग्यता और न्याय के साथ विकास के वैध उद्देश्य से शुरू किया गया। आज के समय में जाति एक बड़ी सच्चाई है। उसके आधार पर अगर कोई सुविधा किसी को हासिल हो रही है, तो वह आसानी से खत्म नहीं होने वाली। अत- देश के लोग जाति और उससे संबंधित गणना को विकास व सामाजिक न्याय के नजरिये से सही मानकर चलें, इसी में सबका भला है। आधुनिक होते देश में जाति संबंधी पुख्ता आंकड़े जरूरी हैं, यह कतई कमतर मानसिकता नहीं है। सही तरीका यही है कि समावेशी विकास से जाति के प्रभाव को धीरे-धीरे खत्म किया जाए, ताकि जाति की गणना की जरूरत न रह जाए, लेकिन इस काम में अभी बहुत समय लगेगा।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

आसमान में दिखेगा वायुवीरों का शौर्य

(लेखक-योगेश कुमार गोयल)

(भारतीय वायुसेना के स्थापना दिवस (8 अक्तूबर) पर विशेष)

भारतीय वायुसेना 8 अक्तूबर को अपना 91वां स्थापना दिवस मना रही है और इस खास अवसर पर वायुसेना अपने शौर्य और शक्ति का अभूतपूर्व प्रदर्शन करेगी। वायुसेना के स्थापना दिवस पर इस बार प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर एक घंटे तक भव्य एयर शो का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें वायुसेना के लड़ाकू विमान आसमान में ऐसी कलाबाजियां करेंगे कि देखने वाले दांतों तले उंगली दबाने को मजबूर हो जाएंगे। वायुसेना की परेड सुबह के समय और एयर शो दोपहर दो बजे से होगा। इस भव्य एयर शो के दौरान वायुसेना के 100 से भी ज्यादा लड़ाकू विमान आसमान में हैरतअंगेज करतब दिखाएंगे। भारतीय वायुसेना दिवस के अवसर पर हर साल एयर शो आयोजित करने का प्रमुख उद्देश्य न केवल पूरी दुनिया को भारत की वायुशक्ति से रूबरू कराना है बल्कि युवाओं को वायुसेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करना भी है। भारतीय वायुसेना द्वारा एयर शो के लिए फुल ड्रैस रिहर्सल मध्य वायु कमान मुख्यालय बमरौली में 6 अक्तूबर को आयोजित किया गया था, जिसमें जांबाज वायुवीरों ने अपने अदम्य साहस और शौर्य का प्रदर्शन किया। फुल ड्रैस रिहर्सल के दौरान 10 स्काई पैराजंपर 8000 फीट की ऊंचाई से ए-32 विमान से 150 किलोमीटर की रफ्तार से नीचे कूदे, उसके बाद ट्रेनी वायु योद्धाओं ने जिप्सी के पुर्जों को खोलकर केवल पांच मिनट में ही उसे जोड़ने का हैरतअंगेज कारनामा दिखाया। विंग कमांडर अशोक ने पैरा हैंग ग्लाइडर से 200 फीट की ऊंचाई से हैरतअंगेज प्रदर्शन किया और फिर पैरा मोटर्स से भी वायुसेना के जाबांजों ने करतब दिखाए। आसमान में वायुवीरों के इन प्रदर्शनों को देखकर हर कोई रोमांच से भर उठा।

अब 8 अक्तूबर के एयर शो में विंटेज विमान टाइगर मॉथ, हार्बट ट्रेनर, ट्रांसपोर्ट जहाज सी वन थर्टी, आईएल 78, चेतक हेलीकॉप्टर, रुद्र हेलीकॉप्टर इत्यादि के जरिये वायुवीर अपने करतब दिखाएंगे। स्वदेशी फाइटर प्लेन तेजस आसमान की ऊंचाईयों पर उड़ान भरेगा जबकि कारगिल की जंग में पाकिस्तान के छक्के छुड़ाने वाला मिराज 2000 भी हवा से बातें करेगा। एयर शो में इस बार वायुसेना के बेड़े में अपना समय पूरा कर चुके मिग-21 का आखिरी शो भी देखने को मिलेगा और इस प्रदर्शन के बाद प्रयागराज से मिग-21 की विदाई भी होगी।

अब 8 अक्तूबर के एयर शो में विंटेज विमान टाइगर मॉथ, हार्बट ट्रेनर, ट्रांसपोर्ट जहाज सी वन थर्टी, आईएल 78, चेतक हेलीकॉप्टर, रुद्र हेलीकॉप्टर इत्यादि के जरिये वायुवीर अपने करतब दिखाएंगे। स्वदेशी फाइटर प्लेन तेजस आसमान की ऊंचाईयों पर उड़ान भरेगा जबकि कारगिल की जंग में पाकिस्तान के छक्के छुड़ाने वाला मिराज 2000 भी हवा से बातें करेगा। एयर शो में इस बार वायुसेना के बेड़े में अपना समय पूरा कर चुके मिग-21 का आखिरी शो भी देखने को मिलेगा और इस प्रदर्शन के बाद प्रयागराज से मिग-21 की विदाई भी होगी। फ्रांस से खरीदे गए राफेल फाइटर प्लेन की ताकत भी लोगों को एयर शो में देखने को मिलेगी, साथ ही कोबरा और सू थर्टी जहाज भी एयर शो में दिखाई देंगे। एयर शो में तेजस जैसे कुल 120 विमान और हेलीकॉप्टर करतब दिखाते नजर आएंगे। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता के मुताबिक आकाशगंगा की टीम के स्काई डाईवर्स विमानों से संगम तट पर उतरकर लोगों में रोमांच भरेंगे। भारतीय वायुसेना में इस समय राफेल, सुखोई 30, मिराज 2000, जगुआर, तेजस, आरपीए 50, मिग-27, मिग-29 के अलावा हेलीकॉप्टर ध्रुव, चिनूक, चेतक, चीता, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर, एचएएल रुद्र इत्यादि अत्याधुनिक विमान शामिल हैं, जो किसी भी विकट स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारतीय वायुसेना को न केवल दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव हासिल है बल्कि इसी वर्ष ग्लोबल एयर पावर रैंकिंग में भारतीय वायुसेना को तीसरा स्थान दिया गया है। देश की करीब 24 हजार किलोमीटर लंबी अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी भारतीय वायुसेना पूरी मुस्तैदी के साथ निभाती रही है और वायुसेना के बेड़े में दमदार लड़ाकू विमानों, हेलीकॉप्टरों तथा अत्याधुनिक मिसाइलों की संख्या निरन्तर बढ़ रही है, जिनके कारण हमारी वायुसेना अब पहले के मुकाबले कई गुना शक्तिशाली हो चुकी है। अब हम हवा में पहले के मुकाबले बहुत मजबूत हो चुके हैं तथा दुश्मन की किसी भी तरह की हरकत का अधिक तेजी और ताकत के साथ जवाब देने में सक्षम हैं। भारत के मुकाबले चीन के पास भले ही दो गुना लड़ाकू और इंटरसेप्टर विमान हैं, भारत से दस गुना ज्यादा रॉकेट प्रोजेक्टर हैं लेकिन रक्षा विश्लेषकों के अनुसार चीनी वायुसेना भारत के मुकाबले मजबूत दिखने के बावजूद भारत का पलड़ा उस पर भारी है। रक्षा विशेषज्ञों के मुताबिक गिनती और तकनीकी मामले में भले ही चीन सहित कुछ देश हमसे आगे हो सकते हैं लेकिन संसाधनों के सटीक प्रयोग और बुद्धिमता के चलते दुश्मन देश सदैव भारतीय वायुसेना के समक्ष थर्राते हैं। भारत के मिराज-2000 और एसयू-30 जैसे जेट विमान ऑल-वेदर मल्टीरोल विमान हैं, जो किसी भी मौसम में और कैसी भी परिस्थितियों में उड़ान भर सकते हैं। मिराज-2000, मिग-29, सी-17 ग्लोबमास्टर, सी-130जे सुपर हरक्यूलिस के अलावा सुखोई-30 जैसे लड़ाकू विमान करीब पौने चार घंटे तक हवा में रहने और तीन हजार किलोमीटर दूर तक मार करने में सक्षम हैं। एक बार में 4200 से 9000 किलोमीटर की दूरी तक 40-70 टन के पेलोड ले जाने में सक्षम सी-17 ग्लोबमास्टर एयरक्राफ्ट भी वायुसेना के बेड़े में शामिल हैं। चिनूक और अपाचे जैसे अत्याधुनिक हेलीकॉप्टर भी वायुसेना की मजबूत ताकत बने हैं। इनके अलावा भारत के पास दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम 952 मीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार वाली ब्रह्मोस मिसाइलों सहित कई अन्य घातक मिसाइलें भी हैं, जिनकी मारक क्षमता से दुश्मन देश थर्राते हैं।

भारतीय वायुसेना की जाबांजी के अनेक किस्से दुनियाभर में विख्यात हैं। हमारी वायुसेना चीन के साथ एक तथा पाकिस्तान के साथ चार युद्धों में अपना पराक्रम दिखा चुकी है। भारतीय वायुसेना की स्थापना ब्रिटिश शासनकाल में 8 अक्तूबर 1932 को हुई थी और तब इसका नाम था 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स'। 1945 के द्वितीय विश्वयुद्ध में रॉयल इंडियन एयरफोर्स ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उस समय वायुसेना पर आर्मी का ही नियंत्रण होता था। इसे एक स्वतंत्र इकाई का दर्जा दिलाया था इंडियन एयरफोर्स के पहले कमांडर-इन-चीफ सर थॉमस डब्ल्यू एल्महर्स्ट ने, जो हमारी वायुसेना के पहले चीफ एयर मार्शल बने थे। 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' की स्थापना के समय इसमें केवल चार एयरक्राफ्ट थे और इन्हें संभालने के लिए कुल 6 अधिकारी और 19 जवान थे। आज वायुसेना में डेढ़ लाख से भी अधिक जवान और हजारों एयरक्राफ्ट्स हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् वायुसेना को अलग पहचान मिली और 1950 में 'रॉयल इंडियन एयरफोर्स' का नाम बदलकर 'इंडियन एयरफोर्स' कर दिया गया। एयर मार्शल सुब्रतो मुखर्जी इंडियन एयरफोर्स के पहले भारतीय प्रमुख थे। उनसे पहले तीन ब्रिटिश ही वायुसेना प्रमुख रहे। इंडियन एयरफोर्स का पहला विमान ब्रिटिश कम्पनी 'वेस्टलैंड' द्वारा निर्मित 'वापिती-2ए' था। बहरहाल, भारतीय वायुसेना ने समय के साथ बहुत तेजी से बदलाव किए हैं और काफी हद तक कमियों को दूर भी किया गया है।

(लेखक 33 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा सामरिक मामलों के प्रखर विश्लेषक हैं)

जांबाजों की मुस्तैदी से हासिल सुरक्षा कव

सतीश मेहरा

वर्तमान टेक्नोलॉजी के युग में किसी भी देश की सामरिक रणनीति में वायुशक्ति को सुदृढ़ करना बेहद आवश्यक है। इसी के मद्देनजर भारतीय वायुसेना का आधुनिकीकरण किया गया है जिससे देश का आसमानी सुरक्षा छत्र मजबूत हुआ है। कल भारतीय वायुसेना अपनी स्थापना की 91वीं वर्षगांठ मना रही है। 8 अक्तूबर, 1932 में ब्रिटिशकाल के दौरान भारतीय वायुसेना की स्थापना की गई थी। उस समय इसका नाम अंग्रेज सरकार द्वारा रॉयल इंडियन एयरफोर्स रखा गया था। आजादी के बाद 1950 में इसका नाम भारतीय वायुसेना किया गया। अपने नौ दशक के गौरवशाली इतिहास में वायुसेना ने विभिन्न युद्धों, अभियानों, ऑपरेशनों और प्राकृतिक आपदाओं में जो अद्भुत कार्य के जरिये सफलता प्राप्त की है, उसे आज सैल्यूट करने का अवसर है। भारतीय वायुसेना ने समय-समय पर अपनी क्षमता का प्रयोग करते हुए सुरक्षा के क्षेत्र में देश को प्रबलता प्रदान की है। बात बाह्य सुरक्षा की हो, आंतरिक सुरक्षा की हो या प्राकृतिक आपदा अवसर की, वायुसेना ने हर स्थिति में देश के नागरिकों को सुरक्षा प्रदान की है। भारतीय वायुसेना ने द्वितीय विश्वयुद्ध, भारत-चीन युद्ध, भारत-पाकिस्तान युद्ध, ऑपरेशन कैक्टस, ऑपरेशन-विजय, कारगिल-युद्ध, कांगो-संकट, ऑपरेशन पुलमाई, ऑपरेशन पवन और 2019 में पाकिस्तान से पुलवामा का बदला लेने के लिए बालाकोट पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' को अंजाम देकर भारतवासियों का दिल जीता है। इससे देशवासी निरंतर वायुसेना के जांबाजों के बुलंद हौसलों के कायल हुए हैं। कल यानी आठ अक्तूबर को देश के वायुसेना केंद्रों पर 'एयर शो' का भव्य प्रदर्शन हो रहा है, जिसमें जांबाज़ पायलट विभिन्न लड़ाकू और अन्य विमानों के साथ हैरतअंगेज करतब दिखाते हैं। इस समय भारतीय सेना में आधुनिकतम फाइटर विमान शामिल हैं जिनमें तेजस, जैगुआर, एमआईजी-27, आरपीए 50, सुखोई 30, मिराज 2000, मिग- 29, मिग-21, एचएएल-तेजस, व राफेल के साथ-साथ हेलीकॉप्टर ध्रुव, चेतक, चीता, चिनूक, एमआई-8, एमआई-17, एमआई-26, एमआई-25 एचएएल लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर तथा एचएएल रुद्र शामिल हैं, जो किसी भी स्थिति में दुश्मन को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए तत्पर हैं। एचएएल कंपनी ने भारतीय तेजस विमान में तो कई बहुत ही घातक हथियार जोड़कर दुनिया में अमेरिका, रूस और चीन जैसे बड़े-बड़े देशों में सनसनी पैदा कर दी है इतना ही नहीं, निकट भविष्य में सुखोई, रफाल 35 जैसे मारक लड़ाकू विमान भी भारत में बनेंगे। इसके लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड बिल्कुल तैयार है। भारत अब वायुयान के निर्माण में किसी देश पर निर्भर नहीं है, इससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मेक इन इंडिया का सपना भी साकार हुआ है। इस प्रकार से आकाशीय सामरिक क्षेत्र के मामले में भारत एक आत्मनिर्भर राष्ट्र होगा। इस समय भारतीय सेना में लगभग डेढ़ लाख अधिकारी पायलट और सक्रिय जवान शामिल हैं। भारतीय वायुसेना को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी सेना होने का गौरव प्राप्त है। वायुसेना में महिलाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वायुसेना में वर्तमान में डेढ़ दर्जन से भी अधिक महिला पायलट लड़ाकू विमानों को उड़ा रही हैं। इसके साथ-साथ तीनों सेनाओं यानी थलसेना, जलसेना और वायुसेना के अभियानों में कुल 145 महिला पायलट विभिन्न प्रकार के विमानों से आसमान को नाप रही हैं। वर्तमान सरकार ने सामरिक महत्व को देखते हुए सेना के आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकीकरण का जो कार्य किया है उससे हमारी सेना मजबूत हुई है। सेना के अधिकारियों, जवानों को इसके अलावा 'वन रैंक वन पेंशन' के जरिये जो मान बढ़ाया गया है, उसे पूरी सैनिक बिरादरी का सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। केंद्र सरकार ने वर्ष 2023-24 में सेना के बजट में गत वर्ष की अपेक्षा 13 प्रतिशत से भी अधिक का इजाफा कर संकेत दिए हैं कि सेना में आधुनिकीकरण का अभियान और तेज होगा, जिससे देश की सीमाएं सुरक्षित होंगी। निःसंदेह, स्थापना दिवस के जश्न के साथ-साथ उन सभी भारतीय वायुसेना के शहीद हुए जवानों को याद करने का भी अवसर है जिन्होंने विभिन्न युद्धों और अभियानों में अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। सेनाओं की बदौलत ही हर भारतवासी अपने आप को सुरक्षित महसूस कर रहा है। भारतीय वायुसेना का ध्येय वाक्य है 'नभः स्पृशं दीप्तम' यानी गर्व से आकाश को छुओ। यही वाक्य हर भारतीय युवा के दिलो-दिमाग में देशभक्ति का जज्बा पैदा करता है। तभी युवा भारतीय वायु सेना में भर्ती होने के लिए लालायित रहते हैं।

विचार मंथन

स्वतंत्रता के अधिकारों का हनन कर रही है, ईडी?

(लेखक-सनत कुमार जैन)

- हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की बेबसी?

अंग्रेज जब भारत में राज करते थे। उस समय जो आईपीसी बनाई गई थी। उसमें जांच एजेंसी को 90 दिन के अंदर चार्जशीट न्यायालय में पेश करने का नियम था। 90 दिन तक यदि जांच एजेंसी चार्जसीट प्रस्तुत नहीं कर पाती थी। उस समय अंग्रेजों के समय की अदालतें, आरोपियों को जमानत देने का काम करती थी। कोर्ट में कोई भी मामला पेश किया जाता था। मुकदमा चलने के पहले न्यायाधीश के सामने आरोप तय किए जाते थे। उस समय दोनों पक्षों को अपने-अपने दावे प्रस्तुत करना होते थे। अंग्रेज शासन के न्यायाधीश दोनों पक्षों को सुनने के बाद, यदि उन्हें लगता था कि मामला चलने योग्य है। तभी मामले को आगे बढ़ाया जाता था। अन्यथा आरोप तय करते समय जो प्रारंभिक सबूत जांच एजेंसी द्वारा पेश किए जाते थे। यदि वह अपर्याप्त होते थे। न्यायाधीश उस मामले को वहीं खारिज कर देते थे। 1947 में स्वतंत्रता के बाद और 1950 में भारतीय संविधान लागू होने के बाद भारत में जनता सरकार बनाती है। संविधान में आमजन के मौलिक अधिकार सुरक्षित किए गये हैं। मौलिक अधिकारों पर छेड़छाड़ करने की अनुमति संविधान ने ना तो विधायिका को दी है। नाही कार्यपालिका और नाही न्यायपालिका को दी है। न्यायपालिका की संवैधानिक जिम्मेदारी है, कि विधायिका या कार्यपालिका के कोई भी नियम और कानून से, किसी भी नागरिक के मौलिक अधिकारों का हनन होता है, तो उसे संरक्षित करने की संवैधानिक जिम्मेदारी न्यायपालिका को संबिधान ने सौंपी है। न्यायपालिका का संबैधानिक कर्तव्य है, नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करना, यदि नहीं, उन कारणों को दूर करने की जिम्मेदारी भी न्यायपालिका की है। सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय प्रवर्तन निदेशालय (ईड़ी)को मनी लांड्रिंग के मामलों में विशेष अधिकार दिए हैं। इन विशेष अधिकारों का यदि दुरुपयोग हो रहा है, या जांच एजेंसी अपनी जिम्मेदारी पूर्ण नहीं कर रही है। आरोपियों को लंबे समय तक जेलों में बंद रखा जा रहा है। उन्हें न्यायालयों से जमानत भी नहीं मिल पा रही है। कई महीना और वर्षों तक ईड़ी जांच के नाम पर आरोपियों को जेल में बंद करके रख रही है। ईड़ी के अधिकारियों ने पिछले कई महोनों से विपक्षी दलों के नेताओं को अपना निशाना बनाया हुआ है। आरोपों की जांच के नाम पर बुलाया जाता है। उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। उसके बाद ईड़ी के अधिकारी सबूत खोजने और बनाने का प्रयास करते हैं। आरोप के आधार पर उन्हें भ्रष्टाचारी और अपराधी बता दिया जाता है। यह खेल पिछले कई महीनो से अनवरत चल रहा है। विपक्षी दलों और कई मुख्यमंत्रियों ने इस संबंध में प्रधानमंत्री सहित हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट में समय-समय पर ईड़ी द्वारा की जा रही कार्रवाई से उत्पीड़न की शिकायत कर न्याय की मांग की है। देश के विभिन्न हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में ईड़ी से संबंधित कई मामले जमानत के लिए पेश हो चुके हैं। इसके बाद भी अभी तक, ऐसा कोई निर्णय न्यायपालिका का सामने नहीं आया है। जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग वाले प्रकरणों में जिसमें ईड़ी को विशेष अधिकार मिला है। ईड़ी के अधिकारियों ने यदि उसका दुरुपयोग किया है। ऐसी स्थिति में उन पर कोई कार्यवाही न्यायपालिका द्वारा की गई हो। ऐसा कोई मामला अभी तक सामने नहीं आया है। महाराष्ट्र के गृहमंत्री पद पर रहते हुए, अनिल देशमुख को गिरफ्तार किया गया था। नवाब मलिक को मंत्री पद पर रहते हुए गिरफ्तार किया। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को कई महीने पहले गिरफ्तार किया गया था। जेल में रहते हुए वह गंभीर रूप से बीमार हो गए। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया कई महीनो से जेल में बंद हैं। सांसद संजय राऊत को भी ईड़ी ने गिरफ्तार किया था। मुंबई हाईकोर्ट से उन्हें जमानत तो मिल गई। लेकिन उनके खिलाफ कोई सबूत हाईकोर्ट में ईड़ी पेश नहीं कर पाई। हाल ही में राज्यसभा के सदस्य संजय सिंह को गिरफ्तार किया गया है। वह 5 दिन की रिमांड में जांच एजेंसी के कब्जे में हैं। न्यायालय ने जब गिरफ्तारी के लिए ईड़ी से सबूत मांगे, तो वह सबूत नहीं दे पाए। इस तरह के सैकड़ों मामले में सैकड़ों लोग न्यायिक हिरासत में कई महीनों से जेल में बंद है। सुप्रीम कोर्ट में भी सिसोदिया की जमानत याचिका पर गिरफ्तारी के कई महीने बाद भी ईड़ी सबूत नहीं दे पाई। इन सभी मामले में कई महीनो की जांच के बाद भी मनी लॉन्ड्रिंग साबित करने के लिए जो सबूत चाहिए होते हैं। वह ईड़ी न्यायालय में पेश नहीं कर पाई. कई महीनो से आरोपी जेल में बंद हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 586.91 अरब डॉलर रहा

नई दिल्ली । भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 29 सितंबर को समाप्त सप्ताह में 3.794 अरब डॉलर घटकर 586.908 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इसके पहले के सप्ताह में देश का कुल मुद्रा भंडार 2.335 अरब डॉलर की गिरावट के साथ 590.702 अरब डॉलर था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था लेकिन पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम से पैदा हुए दबावों के बीच आरबीआई ने रुपए की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए इस पूंजी भंडार का उपयोग किया था जिससे विदेशी मुद्रा भंडार में कमी आई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 29 सितंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.127 अरब डॉलर घटकर 520.236 अरब डॉलर रही। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 57.6 करोड़ डॉलर घटकर 43.731 अरब डॉलर रह गया। आंकड़ों के अनुसार, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 7.4 करोड़ डॉलर घटकर 17.939 अरब डॉलर रहा। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.8 करोड़ डॉलर घटकर 5.002 अरब डॉलर रहा।

एडीआईए रिलायंस में 4,966.80 करोड़ का निवेश करेगी

नई दिल्ली । अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड में 0.59 4,966.80 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने यह जानकारी दी। आरआईएल ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में कहा कि इस निवेश के तहत रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) का इक्विटी मूल्य 8.381 लाख करोड़ रुपए है। इस तरह यह इक्विटी मूल्य के हिसाब से देश की शीर्ष चार कंपनियों में शामिल है। कंपनी ने बताया कि एडीआईए की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के जरिये होने वाले इस निवेश से एआईडीए को पूर्ण चुकता आधार पर आरआरवीएल में 0.59 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी मिलेगी। आरआरवीएल, आरआईएल के खुदरा कारोबार की मूल कंपनी है। यह किराना, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन और लाइफस्टाइल तथा फार्मा जैसी श्रेणियों में 18,500 से अधिक स्टोर और डिजिटल कॉमर्स मंचों का संचालन करती है। आरआरवीएल की कार्यकारी निदेशक ईशा मुकेश अंबानी ने कहा, आरआरवीएल में एक निवेशक के रूप में एडीआईए के लगातार समर्थन तथा उनके साथ अपने संबंधों को मजबूत कर हम खुश हैं। विश्व स्तर पर मूल्य निर्माण के उनके लंबे अनुभव से हमें फायदा होगा और भारतीय खुदरा क्षेत्र में बदलाव को बढ़ावा मिलेगा।

कूरो एडिशन की कार फुल ब्लैक थीम पर लॉन्च

-कार में कई बेहतरीन कॉस्मैटिक बदलाव देखने को मिलेंगे

नईदिल्ली ।

महंगी कारें बनाने वाली कंपनी निसान मैग्नाइट के कूरो एडिशन की ये कार का डार्क एडिशन को फुल ब्लैक थीम पर लॉन्च किया गया है। मैग्नाइट के कूरो एडिशन में आपको फ्रंट में ग्रिल अलग दिखेगा। इसको ब्लैक कर दिया गया है। स्लाइड प्लेट और रूफरेल्स को भी ब्लैक थीम में दिया गया है। कार में आपको कई बेहतरीन कॉस्मैटिक बदलाव देखने को मिलेंगे। इसी के साथ डिजाइन में भी आपको नया पन दिखेगा। इतना ही नहीं, कार के हैडलैंप्स भी ब्लैक इंसर्ट के साथ हैं। यहां तक की डोर हैंडल्स को भी ब्लैक कर दिया गया है। आपको कार में ब्लैक अलॉय व्हील मिलेंगे जिसमें ब्रेक कैलिपर को रेड कर स्पोर्टी लुक देने की कोशिश की गई है।कार के इंटीरियर को काफी प्रीमियम कर दिया गया है। इसमें आपको रूफ लाइनर ब्लैक दिखेगा, वहीं स्टीयरिंग व्हील पर ब्लैक लैदर रैप और एसी वेंट्स पर भी ब्लैक ट्रिम देखने को मिलेगी। फीचर्स की बात की जाए तो कार में आपको 360 डिग्री कैमरा, वायरलेस चार्जिंग, 8 इंच टचस्क्रीन जैसे फीचर्स देखने को मिलेंगे। कार की सेफ्टी रेटिंग की बात की जाए तो इसमें आपको जीएनकैप की 4 स्टार रेटिंग मिलती है। कार में आप मैनुअल, ऑटोमैटिक और सीवीटी गियर बॉक्स का ऑप् शन ले सकते हैं। कार के माइलेज की बात की जाए तो ये 27 किलोमीटर प्रति लीटर का एवरेज निकालती है।कंपनी ने कार के इंजन में कोई बदलाव नहीं किया है। ये पहले से मौजूद 1.0 लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल और 1.0 लीटर टर्बो पेट्रोल इंजन के साथ ही मिलेगी।

चीन से व्हील लोडर के आयात पर लग सकता है डंपिंग-रोधी शुल्क

नई दिल्ली । वाणिज्य मंत्रालय की शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन से व्हील लोडर के आयात पर पांच साल के लिए 82 प्रतिशत तक डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। जीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि घरेलू कंपनियों को संरक्षण देने के लिए यह सिफारिश की गई है। व्हील लोडर का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे और खनन क्षेत्रों में किया जाता है। इस उत्पाद के घरेलू विनिर्माताओं की शिकायतों के आधार पर डीजीटीआर ने एक साल तक चली जांच के बाद यह सिफारिश की है। वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग द्वारा अधिसूचित होने पर चीन से 7,000 किलोग्राम से कम क्षमता वाले व्हील लोडर के आयात पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगाया जाएगा। इसके अलावा सेमी-नॉक-डाउन किट के आयात पर भी शुल्क लगाया जाएगा।

भारत के 10 उभरते बाजारों में लखनऊ, कोच्चि और जयपुर शामिल

नई दिल्ली । रियल एस्टेट क्षेत्र में वृद्धि के लिहाज से लखनऊ, कोच्चि, जयपुर और भुवनेश्वर देश के 10 उभरते बाजारों में शामिल हो गए हैं। शुक्रवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। रियल एस्टेट निकाय क्रेडाई और सलाहकार फर्म कुशमैन एंड वेकफील्ड ने मिस्र के शर्म-अल-शेख में आयोजित 21वें नैटकॉन सम्मेलन में यह रिपोर्ट जारी की। इसमें भारत के 10 उभरते बाजारों का ब्योरा दिया गया है। इस सूची में लखनऊ, कोच्चि, जयपुर एवं भुवनेश्वर के अलावा कोयंबटूर, इंदौर, नागपुर, सूरत, तिरुवनंतपुरम और विशाखापट्टनम को भी जगह दी गई है। कुशमैन एंड वेकफील्ड के भारत एवं दक्षिण-पूर्व एशिया प्रमुख अंशुल जैन ने कहा` कि दूसरी श्रेणी के शहरों की एक पूरी कहानी है जो शायद आवासीय, खुदरा रसद और कुछ हद तक कार्यालयों के कारण तेजी से विकसित हो रहे हैं। हमने रिपोर्ट में 17 शहरों गौर किया है और जनसंख्या, जीवन सुगमता सूचकांक, बुनियादी ढांचे और कौशल व सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि जैसे विभिन्न मापदंडों पर उनका मूल्यांकन किया है। रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद देश के अग्रणी रियल एस्टेट बाजार बने हुए हैं।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह दो दिन तेज, दो दिन कमजोर रहे बाजार

मुंबई ।

बीते सप्ताह विश्व बाजार की तेजी के बीच भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के चालू वित्त वर्ष में आर्थिक विकास अनुमान के यथावत रहने से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत शुक्रवार के ओ खिरी कारोबारी` दिन घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह सोमवार को गांधी जयंती के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहने की वजह से पांच की जगह केवल चार` दिन कारोबार हुआ। वैश्विक बाजारों में कमजोरी का असर मंगलवार की सुबह भारतीय शेयर बाजार पर भी दिखा। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 300 अंकों से अधिक टूट गया। इस दौरान सेंसेक्स गिरावट के साथ 65,813.42 पर खुला और 316.31 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी में 19,622.40 के स्तर पर खुला और 109.50 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ। अमेरिका में ब्याज दरों को लेकर चिंता बढ़ने और धारणा प्रभावित होने के बीच ताजा आर्थिक आंकड़ों के बीच भारतीय शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट का रुख रहा। सेंसेक्स 436 अंक की गिरावट के साथ 65,075 पर खुला और 286 अंक कमजोर होकर 65,226 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी सुबह 130 अंकों की कमजोरी के साथ 19,398 पर खुला और 93 अंक गिरकर 19,436 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को हरे निशान पर कारोबार की शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 320 अंक बढ़कर 65,549 पर खुला और 405.53 अंकों की बढ़त के साथ 65,631.57 पर बंद हुआ। निफ्टी 90 अंकों की मजबूती के साथ 19500 पर खुला और 114.60 अंक मजबूत होकर 19,550.70 पर बंद हुआ। शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 150 अंकों से ज्यादा की उछाल के साथ 65,800 पर खुला और 364.06 अंकों (0.55 प्रे तिशत) की बढ़त के साथ 65,995.63 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 50 अंकों का इजाफा हुआ है और यह 19,600 पर खुला और 107.75 अंकों (0.55 प्रे तिशत) की बढ़त के साथ 19653 पर बंद हुआ।

एयर इंडिया ने नए लोगो, डिज़ाइन के साथ अपने ए350 विमान का पहला लुक जारी किया

नई दिल्ली।

टाटा समूह के मालिकाना हक वाली एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने शनिवार को लोगो और लिवरी (आउटफिट) बदलने के बाद अपने विमान ए350 का पहला लुक जारी कर दिया है। एयर इंडिया ने एक्स हैंडल से विमान की तस्वीरें पोस्ट की और लिखा, यहां टूलूज़ में पेंट की शॉप पर हमारी नई पोशाक (न्यू लिवरी) में राजसी ए350 का पहला लुक है। हमारे विमान ए350 विंटर सीजन में घर आने शुरू हो जाएंगे। फ्रांस के टूलूज़ में एयर इंडिया की वर्कशॉप की पेंट शॉप में लेटेस्ट तस्वीरें ली गईं। ए350 इस सर्दी में आना शुरू हो जाएंगे। अगस्त में, टाटा संस के मालिकाना हक वाली एयर इंडिया ने अपने अपडेटेड लोगो और लिवरी का खुलासा किया, जो दिसंबर 2023 में बिल्कुल नए ए350 विमान की डिलीवरी के साथ मेल खाएगा। दिल्ली में एक कार्यक्रम के दौरान, एयरलाइन ने बताया कि उसका नया लोगो, जिसे द विस्टा कहा जाता है, यह एक सुनहरी खिड़की के फ्रेम के शीर्ष से प्रेरणा लेता है, जो असीमित अवसरों, दूरदर्शी सोच और भविष्य के लिए एयरलाइन की मुखर और आशावादी दृष्टि का प्रतीक है।

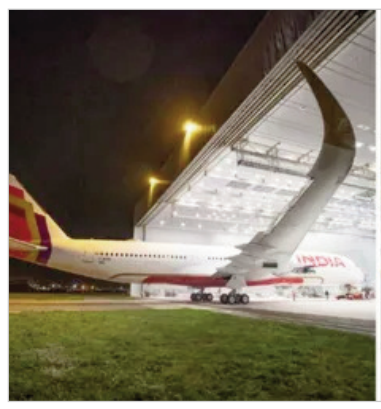

हिमाचल में निवेश करने वालों को देंगे सहयोगः मुख्यमंत्री

शिमला । हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि कई जाने-माने उद्योगपतियों ने राज्य में निवेश करने की इच्छा जताई है और राज्य सरकार उन्हें हर जरूरी सहयोग प्रदान करेगी। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने यह बात बद्दी-बरोटीवाला-नालागढ़ इंडस्ट्रियल एसोसिएशन (बीबीएनआईए) के अध्यक्ष राजीव अग्रवाल और महासचिव वाई एस गुलेरिया के नेतृत्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल की ओर से उन्हें 'आपदा राहत कोष' के लिए 2.02 करोड़ रुपए का चेक सौंपे जाने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्यमियों को सुविधा देने और राज्य में नए निवेश लाने के लिए लगन से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा` कि सरकार औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और रेल संपर्क देने के अलावा सड़क संपर्क को बेहतर करने पर भी विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा` कि औद्योगिक पट्टी को जल्द-से-जल्द रेल मार्ग से जोड़ने के लिए केंद्र सरकार से बात की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उद्यमियों और अन्य यात्रियों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए नालागढ़-भारतगढ़ मार्ग सड़क को चार-लेन का कर रही है।

एलन मस्क ने जेफ बेजोस को सफल सैटेलाइट इंटरनेट लॉन्च करने के लिए बधाई दी

नई दिल्ली।

अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस और कंपनी के सीईओ एंडी जेसी ने भविष्य में सस्ती इंटरनेट सेवाएं प्रसारित करने के लिए अपने पहले दो प्रोटोटाइप कुइपर सैटेलाइट को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में लॉन्च किया। इसके लिए टेस्ला व स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने जेफ बेजोस और एंडी जेसी को बधाई दी। एंडी जेसी ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया,''सफल लॉन्च और कुइपर के प्रोटोटाइप मिशन की शुरुआत आगे सीखने के बहुत सारे अवसर लाती है क्योंकि हम दुनिया भर में ग्राहकों के लिए किफायती सैटेलाइट ब्रॉडबैंड लाने के लिए काम कर रहे हैं। पहले से ही स्पेसएक्स की स्टारलिंक सर्विस के माध्यम से दुनिया के विभिन्न हिस्सों में सस्ती इंटरनेट ब्रॉडबैंड सेवाएं प्रदान कर रहे एलन मस्क ने कहा, ''बधाई हो, यह कठिन है! अमेजन के प्रोजेक्ट कुइपर, इसकी लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) सैटेलाइट ब्रॉडबैंड पहल का लक्ष्य मस्क के स्टारलिंक के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए लो अर्थ ऑर्बिट में 3,200 से अधिक का समूह बनाना है, जिसके पास वर्तमान में किफायती इंटरनेट प्रसारित करने के लिए अंतरिक्ष में 4,000 से अधिक सैटेलाइट हैं। अमेजन के पहले प्रोडेक्शन सैटेलाइट्स 2024 की पहली छमाही में लॉन्च के लिए ट्रैक पर हैं, और कंपनी को 2024 के अंत तक शुरुआती कमर्शियल ग्राहकों के साथ बीटा टेस्टिंग में होने की उम्मीद है। प्रोजेक्ट कुइपर के प्रौद्योगिकी उपाध्यक्ष राजीव बद्याल ने कहा, 'प्रक्षेपण ने हमारे 'प्रोटोफ़्लाइट' मिशन का एक नया चरण शुरू किया है, और अभी एक लंबा रास्ता तय करना है, लेकिन फिर भी यह एक रोमांचक मील का पत्थर है। मैं, हमें इस मुकाम तक पहुंचाने में उनके समर्पण के लिए प्रोजेक्ट कुइपर टीम और यूनाइटेड लॉन्च अलायंस में हमारे सहयोगियों का बहुत आभारी हूं जिन्होंने हमें अपना पहला अंतरिक्ष यान कक्षा (ऑर्बिट) में तैनात करने में मदद की। जुलाई में, अमेजन ने घोषणा की कि वह अमेरिका में अपने प्रोजेक्ट कुइपर सैटेलाइट के लिए 120 मिलियन डॉलर की सुविधा का निर्माण कर रहा है। अंतरिक्ष का उपयोग लॉन्च से पहले कुइपर सैटेलाइट को बेजोस के ब्लू ओरिजिन और यूनाइटेड लॉन्च अलायंस (यूएलए) के रॉकेटों के साथ तैयार करने और एकीकृत करने के लिए किया जाएगा। प्रोजेक्ट कुइपर इंफ्रास्ट्रक्चर में पृथ्वी की निचली कक्षा (लो अर्थ ऑर्बिट) में 3,200 से अधिक सैटेलाइटों का समूह, किफायती, उच्च प्रदर्शन वाले ग्राहक टर्मिनल और अमेज़ॉन वेब सर्विसेज (एडब्ल्यूएस) द्वारा सक्षम ग्राउंड नेटवर्किंग शामिल है।

वैश्विक नौकरी घोटाले से 1,000 से अधिक कंपनियों को 100 मिलियन डॉलर का नुकसानः रिपोर्ट

नई दिल्ली।

साइबर सुरक्षा शोधकर्ताओं के अनुसार, चल रहे वैश्विक नौकरी घोटाले से दुनिया भर के 50 से अधिक देशों में 100,000 से ज्यादा पीड़ितों के प्रभावित होने की संभावना है, जिससे 1,000 से अधिक कंपनियों को 100 मिलियन डॉलर से अधिक का सामूहिक व्यक्तिगत नुकसान होने की संभावना है।पीड़ितों की शिकायतों और रिपोर्ट की गई मौद्रिक हानियों के आधार पर, एक ही कंपनी के प्रतिरूपण से रिपोर्ट की गई हानि 200,000 डॉलर से अधिक है। साइबर-सुरक्षा कंपनी क्लाउडएसईके की टीम के अनुसार, वैश्विक स्तर पर नौकरी घोटाले में उपनाम 'वेबविर्म' हैकरों ने 'ब्लू व्हेल चैलेंज' के समान कॉम्बो टास्क योजना के लिए 10 उद्योगों में 1,000 से अधिक कंपनियों का प्रतिरूपण किया है। शोधकर्ताओं ने कहा, पैमाना और परिष्कार, एक अत्यधिक कुशल और लगातार खतरा पैदा करने वाले (टीए) समूह का संकेत देता है, जिसके लिए तत्काल जागरूकता की आवश्यकता है।उनके अनुसार, 6,000 से ज्यादा फर्जी वेबसाइटें, लगभग 200 यूनिक व्हाट्सएप नंबर साझा करने वाली 600 से अधिक वेबसाइटें और 230 टेलीग्राम हैंडल 50 से अधिक देशों में लोगों को निशाना बना रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, पीड़ितों पर संभावित सामूहिक प्रभाव, प्रतिरूपित कंपनियों की भीड़ और रिपोर्ट किए गए वित्तीय घाटे के आधार पर प्रति कंपनी 100,000 डॉलर के औसत नुकसान को ध्यान में रखते हुए, संभावित रूप से 100 मिलियन डॉलर से अधिक हो जाता है, जिससे 100,000 से अधिक व्यक्ति प्रभावित होते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, 'जैसे-जैसे उनके नाम के तहत हजारों डॉलर का लालच अनगिनत व्यक्तियों को फंसाता है, ब्रांड का भरोसा कम होता जाता है। यह स्पष्ट हो जाता है क्योंकि दुर्दशा से पीड़ित लोग अनजाने में इन घोटालों के आयोजकों के लिए वैध कंपनियों को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। वेबविर्म, संभवतः 2022 के अंत से सक्रिय है, 2023 की शुरुआत से कई गुना बढ़ गया है, जिसमें खतरा अभिनेता समूह विभिन्न भ्रामक रणनीति अपना रहा है। क्लाउडएसईके ने कहा कि उसने घोटालेबाज बुनियादी ढांचे को नष्ट करने और नकली संगठनों को रिपोर्ट करने सहित उपचारात्मक कार्रवाई को लागू करने में मदद के लिए वैश्विक कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ जांच का विवरण साझा किया है।

फिनटेक स्टार्टअप सिनैप्स ने 86 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

सैन फ्रांसिस्को।

वैश्विक वीसी फर्म आंद्रेसेन होरोविट्ज़ (ए16जेड) द्वारा समर्थित और भारतीय मूल के सीईओ संकेत पाठक द्वारा संचालित फिनटेक स्टार्टअप सिनैप्स ने 86 कर्मचारियों की छंटनी कर दी है। यानि करीब 40 प्रतिशत कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। इस साल स्टार्टअप में छंटनी का यह दूसरा दौर है। जून में सीईओ पाठक ने अपने 18 प्रतिशत कार्यबल को नौकरी से निकालने की घोषणा की थी क्योंकि उन्होंने उन क्षेत्रों में अपनी टीम को कम करने और पुनर्गठित करने का कठिन निर्णय लिया था जहां अतिरिक्त कर्मचारी थे। फिनटेक स्टार्टअप सिनैप्स ने शुक्रवार देर रात टेकक्रंच को बताया कि उन्हें सिनैप्स टीम के अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली और समर्पित सदस्यों को अलविदा कहने का बहुत अफसोस है। हालांकि, हमारे पास अपने सभी परिचालनों का प्रबंधन करने और आगे चलकर अपने ग्राहकों का समर्थन करने के लिए एक मजबूत समूह है।पहले बताई गई बातों के अलावा अभी हमारे पास इसमें जोड़ने के लिए कुछ भी नहीं है। स्टार्टअप की स्थापना 2014 में ब्रायन केल्टनर और पाठक द्वारा की गई थी, जिसका उद्देश्य व्यावहारिक रूप से किसी भी बैंकिंग इंटरैक्शन को निष्पादित करने के लिए परिचालन सरलता दक्षता और एकीकरण में आसानी प्रदान करते हुए विरासत बैंकिंग प्रणालियों के लिए एक व्यवहार्य विकल्प प्रदान करना था। साल 2019 में इसने आंद्रेसेन होरोविट्ज़ के नेतृत्व में अपनी सीरीज़ बी फंडिंग में 33 मिलियन डॉलर जुटाए। जून में, पाठक ने कहा था कि सिनैप्स ने साल 2022 में लाभप्रदता तक पहुंचकर और नकदी प्रवाह सकारात्मक बनकर अपनी यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। डिस्क्लेमरः यह आईएएनएस न्यूज फीड से सीधे पब्लिश हुई खबर है. इसके साथ न्यूज नेशन टीम ने किसी तरह की कोई एडिटिंग नहीं की है. ऐसे में संबंधित खबर को लेकर कोई भी जिम्मेदारी न्यूज एजेंसी की ही होगी.

अक्टूबर के पहले चार दिनों में एफपीआई ने बेचे 9,412 करोड़ रुपये के शेयर

नई दिल्ली।

हाल के हफ्तों में बाजारों में पूंजी प्रवाह को प्रभावित करने वाला एक प्रमुख कारक अमेरिकी बांड यील्ड में लगातार वृद्धि है। ये बात जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार ने कही है। अक्टूबर के शुरुआती दिनों में अमेरिकी बॉन्ड बाजार में गिरावट देखी गई, जिससे 30 साल की बॉन्ड यील्ड कुछ समय के लिए 5 फीसदी पर पहुंच गई। विजयकुमार ने कहा कि बेंचमार्क 10-वर्षीय यील्ड लगातार 4.7 प्रतिशत से अधिक है, जो एफपीआई को उभरते बाजारों में शेयर बेचने के लिए मजबूर कर रही है। भारत इस साल एफपीआई को आकर्षित करने में उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शीर्ष पर बना हुआ है, लेकिन सितंबर में बिकवाली देखी गई और अक्टूबर की शुरुआत भी इसी प्रवृत्ति के साथ हुई है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर के पहले चार दिनों में एफपीआई ने नकदी बाजार में 9,412 करोड़ रुपये के शेयर बेचे हैं। एफपीआई वित्तीय, बिजली, आईटी और तेल एवं गैस में बिकवाली कर रहे हैं। बिकवाली करते हुए भी एफपीआई कैपिटल गुड्स, ऑटो और ऑटो कंपोनेंट्स में खरीदार बने हुए हैं। उन्होंने कहा, ऊंचे डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड यील्ड के चलते एफपीआई के हाल फिलहाल में बाजार में खरीदार बनने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि दूसरी तिमाही के नतीजे अच्छे रहने की उम्मीद है, जिससे एफपीआई को इस क्षेत्र में बिकवाली करने से रोका जा सकता है।

एशियाई खेल : सात्विक-चिराग ने बैडमिंटन युगल में ऐतिहासिक जीता गोल्ड

हांगझोउ ।

भारत के सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने दक्षिण कोरिया के चोइ सोलग्यु और किम वोन्हो को 21.18, 21.16 से हराकर एशियाई खेलों की बैडमिंटन पुरूष युगल स्पर्धा में ऐतिहासिक स्वर्ण पदक जीत लिया। भारतीय जोड़ी ने कई बार वापसी करते हुए पहला गेम 29 मिनट में जीता। दूसरे गेम में उन्होंने विरोधी टीम पर दबाव बनाते हुए 57 मिनट में जीत दर्ज की। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की पहली भारतीय जोड़ी है। उन्होंने सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैम्पियन आरोन चिया और सोह वूइ यिक को हराया था।

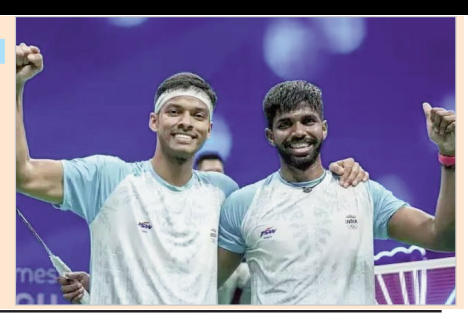

भारतीय महिला हॉकी टीम ने जापान को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता

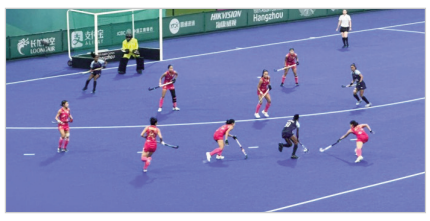

हांगझोउ-

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शनिवार को जापान पर 2-1 से शानदार जीत दर्ज कर 19वें एशियाई खेल हांगझोउ 2022 में कांस्य पदक जीता। एशियाई खेलों में महिला फील्ड हॉकी में यह भारत का चौथा कांस्य पदक है। भारतीय टीम के लिए दीपिका (5) और सुशीला चानू पुखरंबम (50) ने एक-एक गोल किया, जबकि जापान के लिए कप्तान यूरी नागाई (30) ने एकमात्र गोल किया। उनके प्रभावशाली प्रदर्शन और पोडियम फिनिश के लिए, हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम के प्रत्येक खिलाड़ी को 3.00 लाख रुपये और प्रत्येक सहयोगी स्टाफ को 1.50 लाख रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की। मैच की शुरुआत जापान ने गेंद पर कब्ज़ा करने को प्राथमिकता देते हुए की, जबकि भारत तुरंत आक्रामक हो गया। इस आक्रामक रवैये का फायदा उन्हें मिला क्योंकि उन्हें पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे दीपिका (5) ने कुशलतापूर्वक गोल में बदल दिया और इस तरह उनकी टीम को शुरुआती बढ़त मिल गई। भारत पहले 15 मिनट के भीतर तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में भी कामयाब रहा, लेकिन दुर्भाग्य से, वे उनका फायदा नहीं उठा सके। पहला क्वार्टर समाप्त होने तक भारत ने 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे क्वार्टर में जापान ने बराबरी हासिल करने के लिए अपने हमलों की संख्या बढ़ा दी, जबकि भारत ने जापान पर दबाव बनाए रखने के लिए अपना ध्यान कब्ज़ा बनाए रखने और जवाबी हमले पर केंद्रित कर दिया। हालांकि भारत की रणनीति कुछ हद तक काम कर गई, लेकिन यह जापान ही था जो किसी तरह अपने कप्तान यूरी नागाई (30) के साथ दूसरे क्वार्टर के अंतिम सेकंड में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके अपनी टीम को बराबरी पर लाने में कामयाब रहा। दूसरे क्वार्टर के दौरान, जापान ने बराबरी की तलाश में अपने आक्रामक प्रयास तेज कर दिए। इस बीच, भारत ने जापान पर दबाव बनाए रखने के लिए बॉल रिटेंशन को प्राथमिकता देकर और जवाबी हमले शुरू करके अपने दृष्टिकोण को समायोजित किया। भारत की रणनीति ने कुछ प्रभाव दिखाया, लेकिन वह जापान की कप्तान, यूरी नागाई (30) थे, जो दूसरे क्वार्टर के आखिरी सेकंड में पेनल्टी कॉर्नर से महत्वपूर्ण गोल करके अपनी टीम के लिए वापसी करने में सफल रही। मध्यांतर तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा। बराबरी का गोल करने के बाद आत्मविश्वास से लबरेज जापान ने तीसरे क्वार्टर में जोरदार प्रदर्शन किया, लेकिन भारतीय टीम न केवल हमले को नाकाम करने के लिए रक्षा में मजबूत रही, बल्कि अपने विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए नियमित अंतराल पर जापान की रक्षा की जांच भी करती रही। बराबरी से मिले आत्मविश्वास से उत्साहित जापान ने तीसरे क्वार्टर में लगातार आक्रामक हमला बोला। हालाँकि, भारतीय टीम ने जापान के हमलों को विफल करने के लिए न केवल जबरदस्त रक्षात्मक कौशल का प्रदर्शन किया, बल्कि अपने विरोधियों पर दबाव बनाने के लिए जापान की रक्षा का लगातार परीक्षण भी किया। हालाँकि, दोनों टीमों में से कोई भी गोल करने में सफल नहीं हो पाई क्योंकि तीसरे क्वार्टर के अंत तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा। मैच में बढ़त लेने के लिए बेताब भारत ने चौथे क्वार्टर में आक्रामक शुरुआत की और शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किया लेकिन उप कप्तान दीप ग्रेस एक्का के शॉट को जापान की गोलकीपर ईका नाकामुरा ने बचा लिया। हालाँकि, भारतीय टीम ने लगातार आक्रमण करके जापान पर दबाव बनाए रखा और इसका फायदा उसे तब मिला जब भारत पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने के बाद शानदार बदलाव के साथ आया और सुशीला चानू पुखरामबम (50) ने बड़ी चतुराई से गेंद को गोल के अंदर डाल दिया। दीप ग्रेस एक्का के पास ने भारत को 2-1 की बढ़त दिला दी।

एशियाई खेल

योति सुरेखा वेन्नम को मिला तीसरा गोल्ड, अदिति को कंपाउंड महिला व्यक्तिगत तीरंदाजी में कांस्य

हांगझोऊ-

ज्योति सुरेखा वेन्नम ने फाइनल में कोरिया गणराज्य की सो चैवोन को हराकर कंपाउंड महिला व्यक्तिगत तीरंदाजी स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीत लिया। शनिवार को 19वें एशियाई खेलों में वो सबसे सफल भारतीय खिलाड़ी बन गईं। ज्योति ने स्वर्ण पदक मैच में 149-145 से शानदार जीत दर्ज की। एशियाई खेलों के इस संस्करण में यह उनका तीसरा गोल्ड है। उन्होंने इससे पहले हांगझोऊ में कंपाउंड महिला टीम और कंपाउंड महिला मिश्रित टीम प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीते थे। भारत की 17 वर्षीय मौजूदा विश्व चैंपियन अदिति गोपीचंद स्वामी ने इंडोनेशियाई आर.जेड. फैडली को हराकर कांस्य पदक जीता। अदिति ने कठिन परिस्थितियों में यह मुकाबला 146-140 से जीता। लेकिन फोकस ज्योति पर था। उसने पहले राउंड में दो बार 10 और एक बार नौ के दो स्कोर के साथ शुरुआत की, जबकि कोरियाई खिलाड़ी ने तीन बार 10 स्कोर किए। लेकिन दूसरे राउंड में, कोरियाई खिलाड़ी ने दो बार 10 के अलावा आठ का स्कोर किया और 28 पर रुक गई, जबकि ज्योति ने 30 का स्कोर बनाकर 59-58 की बढ़त ले ली। भारतीय खिलाड़ी ने सभी तीन राउंड में 30 के तीन परफेक्ट राउंड लगाए, जबकि उनका कोरियाई प्रतिद्वंद्वी तीन बार 29 का ही स्कोर बना सकी, जिससे भारत के लिए स्वर्ण पदक सुरक्षित हो गया।

बेंगलुरु भारतीय पैरालंपिक समिति 8 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक दिवस मनाएगी

बेंगलुरु। बेंगलुरु इंडिया पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) ने यहां 8 अक्टूबर को अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक दिवस मनाने के लिए आईओसीएल और साइनपोस्ट इंडिया के साथ सहयोग किया है। भारत की पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष और भारत की पहली महिला पैरालंपिक विजेता दीपा मलिक ने कहा, पैरालंपिक दिवस एक वैश्विक उत्सव है जो जागरूकता बढ़ाने और विकलांग एथलीटों की उल्लेखनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए हर साल 8 अक्टूबर को मनाया जाता है। पीसीआई के पैरा एथलेटिक्स के अध्यक्ष सत्यनारायण ने कहा, यह पहली बार है जब हम अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक दिवस मना रहे हैं और यह जागरूकता पैदा करने और ग्रामीण और आर्थिक रूप से वंचित पैरा-एथलीटों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए प्रेरणा की विरासत शुरू करेगा। ये आयोजन विकलांग लोगों को पैरा-स्पोर्ट्स को अपना करियर बनाने के लिए भी प्रोत्साहित करेंगे। भारत की पैरालंपिक समिति एक राष्ट्रीय खेल महासंघ है जो भारत सरकार, युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है और अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति, जर्मनी से संबद्ध है। जागरूकता बढ़ाने और विकलांग एथलीटों की अविश्वसनीय उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए विश्व स्तर पर पैरालंपिक दिवस मनाया जाता है। यह दिन पैरालंपिक आंदोलन और इसके आदर्श वाक्य स्पिरिट इन मोशन से प्रेरित है। दिन की मुख्य विशेषताओं में लगभग 250 से 300 पैरा एथलीटों का सामूहिक मार्च शामिल है, जो बेंगलुरु कर्नाटक के श्री कांतीरावा स्टेडियम में भारतीय समयानुसार दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा। इस दिन पैरा स्पोर्ट्स के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ उपलब्धि हासिल करने वालों को पुरस्कारों का वितरण भी किया जाएगा।

एशियन गेम्स : भारतीय महिला कबड्डी टीम ने जीता गोल्ड

नई दिल्ली ।

एशियन गेम्स 2023 में भारत ने पहली बार 100 मेडल जीते हैं। गौरतलब है कि भारतीय महिला कबड्डी टीम ने गोल्ड मेडल जीतकर भारत को गेम्स का 100वां पदक दिलाया। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को भारतीय खिलाड़ी अब तक 5 मेडल जीत चुके हैं। इसमें 3 गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज शामिल है। 2 गोल्ड सहित 4 मेडल आर्चरी में आए हैं। भारत ने इससे पहले 2018 में सबसे अधिक 70 मेडल हो सिल किए थे। शुक्रवार को भारत ने एक गोल्ड सहित 9 मेडल जीते। पुरुष हॉकी टीम ने गोल्ड जीता। इसके अलावा तीरंदाजी में एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मिला। ब्रिज में मेंस टीम ने सिल्वर तो सेपकटकरा में महिला टीम ने ब्रॉन्ज पर कब्जा किया। वहीं कुश्ती में 3 तो बैडमिंटन में एक ब्रॉन्ज मिला। इसी तरह शनिवार को तीरंदाजी में 2 गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मिला है। कंपाउंड महिला में ज्योति सुरेखा और ओजस ने गोल्ड जीता है। जबकि अभिषेक वर्मा को सिल्वर मिला है। वहीं अदिति स्वामी को ब्रॉन्ज से संतोष करना पड़ा है। बता दें कि भारत ने गेम्स में अब तक 25 गोल्ड, 35 सिल्वर और 40 ब्रॉन्ज मेडल जीतें हैं। कहा तो यह भी जा रहा है कि भारत के आज 3 पदक और पक्के हैं। कबड्डी में भारतीय पुरुष टीम

गोल्ड के मैच में ईरान के खिलाफ उतरेगी।

महिला टीम ने गोल्ड पर कब्जा कर लिया है। बता दें कि पुरुष क्रिकेट के फाइनल में भारत का सामना अफगानिस्तान से होना है। भारतीय टीम गोल्ड मेडल की दावेदार है। महिला टीम पहले ही गोल्ड पर कब्जा कर चुकी है। गेम्स के इतिहास में भारतीय क्रिकेट टीम पहली बार उतर रही है। इसके अलावा बैडमिंटन मेंस डबल्स के फाइनल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी दमखम दिखाएगी।

संक्षिप्त समाचार

अगले तीन साल तक भारतीय फुटबॉल टीम के कोच बने रहेंगे स्टिमैक

नई दिल्ली । अब क्रोएशिया के इगोर स्टिमैक अगले तीन साल तक भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कोच बने रहेंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने स्टिमैक का अनुबंध साल 2026 तक बढ़ा दिया है। इससे पहले एशियाई खेलों में भारतीय टीम की हार के बाद भी स्टिमैक ने कहा था कि वह टीम के साथ बने रहना चाहते हैं पर राष्ट्रीय टीम के लिए उनके फैसलों को समर्थन मिलना चाहिये। भारतीय पुरुष टीम अगले सप्ताह मर्डेका कप में उतरेगी और अगले महीने फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगी। स्टिमैक ने कहा, मैं सही लोगों के साथ बैठकर अगले 48 घंटों में फैसला करूंगा। वे जानते हैं कि मैं क्या खोज रहा हूं। यह पैसे के बारे में नहीं है। उन्होंने कहा, यह इस बारे में है कि क्या हम राष्ट्रीय टीम को एक साथ रहने और एक साथ काम करने के लिए समय प्रदान करने में सक्षम हैं। अगर हम और ऊपर जाना चाहते हैं तो मुझे अपने खिलाड़ियों के साथ काम करने के लिए समय चाहिए। मैं उनके साथ काम करने के लिए समय दिए बिना ऐसा नहीं कर सकता। भारत के फीफा विश्व कप क्वालीफायर के अगले दौर के लिए अर्हता प्राप्त करने की स्थिति में अनुबंध अवधि को स्वचालित रूप से दो साल तक बढ़ाने का विकल्प शामिल है। वहीं सीनियर पुरुष टीम के सहायक कोच महेश गवली को भी पुरुष अंडर23 टीम का मुख्य कोच बनाया गया है।

पाक टीम को सेमीफाइनल का भी दावेदार नहीं मानते हरभजन

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि विश्वकप में इस बार पाकिस्तान टीम सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच पायेगी। हरभजन के अनुसार पाक टीम कहीं से भी विश्व कप की दावेदार नहीं है। आजकल कमेंट्री कर रहे हरभजन ने कहा कि पाक टीम को कमजोर बल्लेबाजी से हार झेलनी पड़ेगी। वहीं गेंदबाजी में नसीम शाह के बाहर होने से भी उसकी संभावनाएं प्रभावित हुई हैं। वहीं कहा कि भारतीय टीम इस बार खिताब की प्रबल दावेदार है। साथ ही कहा कि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के भी सेमीफाइनल में पहुंचने की पूरी उम्मीद है। वहीं यदि सेमीफाइनल की चौथी टीम की बात की जाए तो इसमें दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिलेगा। हरभजन ने कहा कि सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली तीन टीमें मेरे लिए इंग्लैंड, भारत और ऑस्ट्रेलिया तय हैं। वहीं चौथी टीम कोई भी हो सकती है लेकिन हम पहले पाकिस्तान के बारे में सोच रहे थे, लेकिन हाल ही में मैंने देखा है कि उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की है, वह बहुत कमजोर लग रही है। इसके अलावा पाकिस्तान की मौजूदा स्पिन गुणवत्ता उनके पिछले दौर की तुलना में कम हुई है। उनकी टीम में सकलैन मुश्ताक, सईद अजमल, शाहिद अफरीदी, मुश्ताक अहमद जैसे बड़े स्पिनर थे मगर अब शादाब खान हैं लेकिन अब हाल ही में वह अपनी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी नहीं कर रहे है, वह विकेट लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। इसलिए मेरा मानना है कि मेरे लिए चौथी टीम या तो न्यूजीलैंड या दक्षिण अफ्रीका है।वहीं हरभजन से पूर्व कोच रवि शास्त्री सहमत नहीं रखते।

टीम में बने रहेंगे शुभमन गिल, वर्ल्ड कप में ओपनर से नहीं किया बाहर : राहुल द्रविड़

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को डेंगू होने का पता चला है। जिसके चलते वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के क्रिकेट विश्व कप 2023 के पहले मैच से पहले चेन्नई में प्रशिक्षण सत्र में शामिल नहीं हुए थे। हालों कि टीम इंडिया के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने पुष्टि की है कि स्टार ओपनर शुभमन गिल को अभी बाहर नहीं किया गया है क्योंकि वह बेहतर महसूस कर रहे हैं। शुक्रवार सुबह तक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले के लिए शुभमन की उपलब्धता पर संदेह रहा लेकिन द्रविड़ ने कहा है कि अभी भी 36 घंटे बाकी हैं और मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है। द्रविड़ ने प्रेस वार्ता में कहा कि शुभमन गिल बेहतर महसूस कर रहे हैं, हमारे पास 36 घंटे हैं, मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है, उन्हें अभी बाहर नहीं किया गया है। गौरतलब है कि शुभमन इस साल शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। वह आईसीसी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में इस समय नंबर 2 पर हैं। 23 साल के इस ओपनर ने इस साल 20 मैचों में 1230 रन बनाए हैं और एक ऐतिहासिक दोहरा शतक भी लगाया था। टीम इंडिया ने विश्व कप में पहला मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बीते दिनों हुई वनडे सीरीज में भी शुभमन ने शतक लगाया था।

विश्व कप 2023 के लिए भारतीय टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पंड्या (उपकप्तान), केएल राहुल, शुभमन गिल, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव, ईशान किशन, रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव शो मिल हैं। वहीं मैच शैड्यूल की बात करें तो भारत अपने 9 लीग मैच 9 अलग-अलग स्थानों पर खेलेगा। जिनमें 8 अक्टूबर को भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया, चेन्नई में दोपहर 2 बजे से होगा। इसी तरह 11 अक्टूबर को भारत बनाम अफगानिस्तान, नई दिल्ली में, 14 अक्टूबर को भारत बनाम पाकिस्तान, अहमदाबाद में 19 अक्टूबर को भारत बनाम बांग्लादेश, पुणे में 22 अक्टूबर को भारत बनाम न्यूजीलैंड, धर्मशाला में 29 अक्टूबर को भारत बनाम इंग्लैंड, लखनऊ में, 2 नवंबर को भारत बनाम श्रीलंका, मुंबई में, 5 नवंबर को भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका, कोलकाता में, तथा 11 नवंबर को भारत बनाम नीदरलैंड, बेंगलुरु, दोपहर 2 बजे होगा। यह सभी डे-नाइट होंगे।

गिल को डेंगू होने से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ईशान को मिल सकती है ओपनिंग

नई दिल्ली । वर्ल्ड कप 2023 में टीम इंडिया 8 अक्टूबर से अपना अभियान शुरु करने जा रही है। लेकिन परेशान करने वाली खबर यह है कि ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल डेंगू पॉजिटिव हैं। जानकार बता रहे हैं कि अब उनका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना मुश्किल है। ऐसे में उनकी जगह रोहित के साथ ईशान किशन को ओपनिंग के लिए भेजा जा सकता है। सूर्यकुमार यादव और तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को कंगारू टीम के खिलाफ मौका मिलने की उम्मीद कम है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चेन्नई में मुकाबला खेला जाना है। चेन्नई की पिच स्पिन गेंदबाजों के अनुकूल मानी जाती है। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ प्लेइंग-इलेवन में 3 स्पिनर्स को मौका दे सकते हैं। हालांकि इस मुकाबले से पहले टीम के लिए बुरी खबर आई। कोच राहुल द्रविड़ ने शुभमन गिल को लेकर कहा है कि अभी मैच में समय है। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मैच से अभी वे बाहर नहीं माने जा सकते हैं। अब वर्ल्ड कप के पहले मैच में भारतीय टीम की प्लेइंग-11 की बात करें, तो बतौर ओपनर रोहित शर्मा और ईशान किशन उतर सकते हैं। बता दें कि नंबर-3 पर विराट कोहली की जगह पक्की है। नंबर-4 पर श्रेयस अय्यर तो नंबर-5 पर केएल राहुल का खेलना तय है। चोट के बाद वापसी करते हुए राहुल और अय्यर दोनों ही बैटर शतक ठोक चुके हैं। टीम इंडिया मैच में 3 स्पिनर्स के साथ उतर सकती है। ऐसे में तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से लेकर शार्दुल ठाकुर को शायद ही ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मौका मिले। सूर्यकुमार यादव को प्लेइंग-11 से बाहर रहना पड़ सकता है। बतौर ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा और आर अश्विन उतर सकते हैं। वहीं बाएं हाथ के स्पिनर कुलदीप यादव के अलावा बतौर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का खेलना पक्का माना जा रहा है। वनडे वर्ल्ड कप के रिकॉर्ड में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वर्ल्ड कप में अब तक कुल 12 मैच खेले हैं। टीम इंडिया सिर्फ 4 ही मैच जीत सकी है।

कमजोर टीमों को हराकर हम रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे : मिस्बाह

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक ने कहा है कि टीम को एकदिवसीय में नंबर एक रैंकिंग मिलने पर सवाल उठाये हैं। मिस्बाह ने कहा कि पाक टीम को कमजोर टीमों के खिलाफ जीत के आधार पर शीर्ष स्थान मिला है जिसका कोई मतलब नहीं हैं। पाक टीम इस साल की शुरूआत में ही सबसे अधिक अंक लेकर नंबर एक पर पहुंच गयी थी। मिसबाह ने ने कहा कि उसे ऑस्ट्रेलियाई और न्यूजीलैंड की ऐसी टीमों से जीत मिली थी जिससे प्रमख खिलाड़ी शामिल नहीं थे। मिस्बाह ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने पाक दौरे पर अपनी सी और डी टीमें भेजीं। उनपर जीत से हमारी रेटिंग जरुरी बढ़ गयी पर स्तर नहीं बढ़ा। इसका प्रभाव बड़े टूर्नामेंटों में दिखेगा। वहीं इसके अलावा जब वेस्टइंडीज और अन्य टीमें आईं तो भी हमने उनके खिलाफ भी जीत हासिल की जबकि सब जानते हैं कि ये टीमें अभी कमजोर हैं। हमें ये समझना चाहिये कि आज वेस्टइंडीज टीम बेहद कमजोर है। मिसबाह बोले, ऑस्ट्रेलिया की सी टीम ने भी हमें एक गेम में हरा दिया।

विश्वकप : भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया आज

- स्पिनरों के लिए चेपॉक में होगा शानदार मौका

चेन्नई ।

रविवार 8 अक्टूबर से मेजबान भारत अपने वनडे विश्व कप 2023 अभियान की शुरुआत करने जा रहा है। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में 5 बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से यह शुरुआत होगी। गौरतलब है कि चेपॉक पारंपरिक रूप से स्पिनरों के अनुकूल स्थल के रूप में जाना जाता है। जिस ट्रैक पर भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया का खेल खेला जा रहा है, उसके रैंक-टर्नर होने की उम्मीद है और स्पिन द्वारा संभावित परीक्षण से पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। भारत अंतिम एकादश में तीन स्पिनरों - कुलदीप यादव, रवींद्र जड़ेजा और रविचंद्रन अश्विन के साथ उतर सकता है, ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने नेट्स में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपने कौशल को निखारने पर ध्यान केंद्रित किया। डेविड वार्नर, मिशेल मार्श, स्टीव स्मिथ और कंपनी जैसे लोगों ने एडम जम्पा, डी आर्सी शॉर्ट, मार्नस लाबुशाने और अन्य स्थानीय नेट गेंदबाजों जैसे अपने ही ट्विकर्स का सामना किया। टर्निंग ट्रैक पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को गेंद को अंतराल में भेजकर स्कोरबोर्ड को टिके रखने के महत्व को पता है क्योंकि सीमाएं बनाना मुश्किल हो सकता है। हालों कि शुक्रवार को नेट्स में स्पिनरों ने ज्यादातर गेंदबाजी की, लेकिन तेज गेंदबाजों मिशेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने भी अन्य स्थानीय तेज गेंदबाजों के साथ कुछ समय तक गेंदबाजी की। मेन इन येलो का जन्म और पालन-पोषण भले ही घर में तेज और उछाल भरी पिचों पर हुआ हो, लेकिन वे उपमहाद्वीप के बाहर के कुछ अन्य देशों की तुलना में स्पिन को बेहतर ढंग से खेलते हैं। चेपॉक में उनका प्रभावशाली रिकॉर्ड विभिन्न परिस्थितियों में उनकी अनुकूलन क्षमता को बताता है। और यह भी बताता है

कि वे शीर्ष क्रिकेट खेलने वाले देशों में से एक क्यों हैं। आयोजन स्थल पर 6 मैचों में ऑस्ट्रेलिया 5 जीतने में सफल रहा और केवल एक बार हारा है। इस बीच भारत ने चेपॉक पर 14 मैच खेले हैं, जिनमें से सात में जीत और छह में हार मिली है। इनमें से एक खेल बिना किसी परिणाम के समाप्त हुआ। संभावित प्लेइंग इलेवन में भारतीय टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), इशान किशन, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जड़ेजा, रविचंद्रन अश्विन, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, जसप्रीत बुमराह शो मिल हैं।

पाक बल्लेबाज सऊद शकील ने पकड़ी मैदानी अंपायर की गलती, देनी पड़ी फ्री-हिट

नई दिल्ली । पाक बल्लेबाज शकील ने मैदानी अंपायर की एक बड़ी गलती पकड़ ली, जिसके बाद उन्हें फ्री हिट मिल गई है। दरअसल विश्व कप 2023 में नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबले में पाकिस्तान हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में विश्व कप का पहला मुकाबला खेल रही थी। मैच में पाक की शुरूआत अच्छी नहीं रही थी। 3 विकेट मात्र 38 रन पर गिर गए थे लेकिन इसके बाद मध्यक्रम में सऊद शकील ने अर्धशतक लगाकर पारी को संभाला। सऊद ने 68 गेंदों पर और 1 छक्के की मदद से 52 रन बनाए। मैच के दौरान शकील ने एक समय मैदानी अंपायर की गलती भी पकड़ ली। दरअसल, पाकिस्तान की पारी का 22वां ओवर चल रहा था। नीदरलैंड के बाएं हाथ के स्पिनर रूलोफ वान डेर मेरवे ने गेंद फेंकी जिसे शकील ने लॉन्ग-ऑन और डीप मिड-विकेट की ओर मारकर चौका बटोर लिया। इसके फौरन बाद शकील ने अंपायर को सर्कल के अंदर खड़े फील्डर पर ध्यान देने को कहा। पाया गया कि डच खिलाड़ी सर्कल के अंदर निर्धारित संख्या से कम थे। शकील और रिजवान दोनों अंपायर की ओर गए और उन्हें बताया कि 30-यार्ड सर्कल में फील्डर कम है। अंपायरों ने इसे देखा और नियम के अनुसार इसे नो-बॉल करार दे दिया। इससे पाकिस्तान को फ्री हिट मिल गई। फ्री हिट पर शकील ने रूलोफ़ वैन डेर मेरवे को छक्का मारा। घटनाक्रम की एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। पाकिस्तान पहले खेलते हुए 49 ओवर में 286 रन पर आउट हो गया। पाकिस्तान के लिए मोहम्मद रिजवान और सऊद शकील ने 68-68 रन बनाए। मोहम्मद नवाज ने 39, शादाब खान ने 32 रन बनाए। एकरमैन ने 39 रन देकर 2 तो बास डी लीडे ने 62 रन देकर 4 विकेट लीं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हंसगुल्ले

श्यामू: डाक्टर अंकल, मैं आजकल अपने आप से बातें करता हूं।

डाक्टर: कभी-कभी ऐसा हो जाता है, पर इससे दिक्कत क्या है?

श्यामू: दिक्कत तो कोई खास नहीं, पर कभी-कभी मैं खुद को इतना ज्यादा बोर कर देता हूं कि सिर दर्द हो जाता है।

अध्यापक: हेमंत, आज जब मैं कक्षा में पढ़ा रहा था तो मुझे लगा कि तुम किसी के साथ बातें कर रहे हो।

छात्र: सर, आपसे गलती हुई है। मैं नींद में कभी नहीं बोलता।

बेटा (अपने दुकानदार पिता से): बापू, मुझे हिसाब में 100 में से 80 नंबर मिले।

दुकानदार:(नाराज होते हुए): नालायक, हम तो 100 से 150 बनाते हैं और तूने 20 रुपए का घाटा करवा दिया।

अध्यापक (छात्र से): बेटा, मेरा चश्मा लाकर दो, ताकि मैं तुम्हें यह सवाल बता सकूं।

छात्र: लेकिन वह तो मैंने एक अंधे को दे दिया।

अध्यापक (गुस्से से): क्यों?

छात्र: गुरुजी, कल आपने ही तो कहा था कि अंधों पर दया किया करो।

पिता जी (पुत्र से): डरो मत बेटे, चिंता की कोई बात नहीं। डॉक्टर ने कहा है कि तुम जल्दी अच्छे हो जाओगे।

बेटा: वो तो ठीक है पिताजी, पर मैं जिस ट्रक से टकराया था, उस पर लिखा था, फिर मिलेंगे।

राजू (मां से): मम्मी, मम्मी...

मां: हां, बोलो बेटे।

राजू: पापा को सड़क पार करने में डर लगता है क्या?

मां: नहीं बेटा।

राजू: तो फिर सड़क पार करते समय मेरा हाथ क्यों पकड़ लेते हैं।

गोलू (पुलिस से): आप लोग अकसर कुत्ता लेकर क्यों घूमते हैं?

पुलिस वाला : क्योंकि कुत्ता चोर को पकड़ता है।

गोलू(आश्चर्य से): तो फिर आप क्या करते हैं?

पुलिस वाला: अरे भाई, कुत्ते को तो हम ही पकड़े रहते हैं न।

कौआ और लक्कड़हारा

कहानी

एक बार की बात है कि एक गांव में एक गरीब लकड़हारा रहता था, वह प्रतिदिन जंगल से लकड़ी काट कर लाता और उन्हें बेचकर अपना और अपने परिवार का पेट पालता था। लकड़हारा बहुत गरीब लेकिन ईमानदार, दयालु और अच्छे चरित्र वाला आदमी था। वह हमेशा दूसरों के काम आता और बेजबान जानवरों और पक्षियों आदि का भी ज़्याल रखता था।

एक दिन जंगल में लकड़ी इकट्ठा करने के बाद वह काफी थक गया और एक छाया दार पेड़ के नीचे सुस्ताने के लिए लेट गया, लेकिन जैसे ही उसकी नजर ऊपर पड़ी उसके रोंगटे खड़े हो गए। उसने क्या देखा कि एक सांप पेड़ पर बने हुए घोंसले की ओर बढ़ रहा था, इस घोंसले में कौवे के बच्चे थे जो सांप के डर से चीं-चीं कर रहे थे। बच्चों के मां बाप दोनों दाना चुगने कहीं दूर गए थे। दयालु लकड़हारा अपनी थकान भूल कर फौरन उठ बैठा और कौवे के बच्चों को सांप से बचाने के लिए पेड़ पर चढ़ने लगा। सांप ने खतरा भांप लिया और घोंसले से दूर भागने लगा। उसी बीच कौवे भी लौट आए, लकड़हारे को पेड़ पर चढ़ा देखा तो वह समझे कि जरूर उसने बच्चों को मार दिया होगा। वह गुस्से में काओं...काओं... चिल्लाने लगे और लकड़हारे को चोंच मार-मार कर अधमरा कर दिया। बेचारा लकड़हारा किसी तरह जान बचाकर नीचे उतरा और चैन की सांस ली। लेकिन जब कव्वे अपने घोंसले में गए तो बच्चे वहां दुबके हुए बैठे थे, बच्चों ने मां बाप को सारी बात बता दी और तभी उन्होंने देखा कि सांप भी पेड़ से उतर कर भाग रहा है। अब कौवे को अपनी गलती का एहसास हुआ। वह बहुत शर्मिंदा हुए। कौवे लकड़हारे का शुक्रिया अदा करना चाहते थे, कव्वे ने घोंसले में रखा वास्तविक मोती का कीमती हार जो उन्हें कुछ ही दिन पहले गांव के तालाब के किनारे मिला था, उठा कर लकड़हारे के आगे डाल दिया और थोड़ी दूर हटकर बैठकर काओं काओं करने लगे। इस तरह कव्वे अपने हृश्चयारे बच्चों की जान बचाने पर दयालु लकड़हारे को धन्यवाद कर रहे हैं, गरीब लकड़हारा भी कीमती हार पाकर बहुत खुश हुआ और उसने मन ही मन में अल्लाह का शुक्रया अदा किया। जब लकड़हारा लकड़ियों का गठ्ठर सिर पर उठा कर अपने गांव की ओर चला तो कव्वे भी उसके ऊपर काओं काओं करते उड़ रहे थे, लेकिन अब चोंच मारने के लिए नहीं बल्कि दूर कर अलविदा करने के लिए।

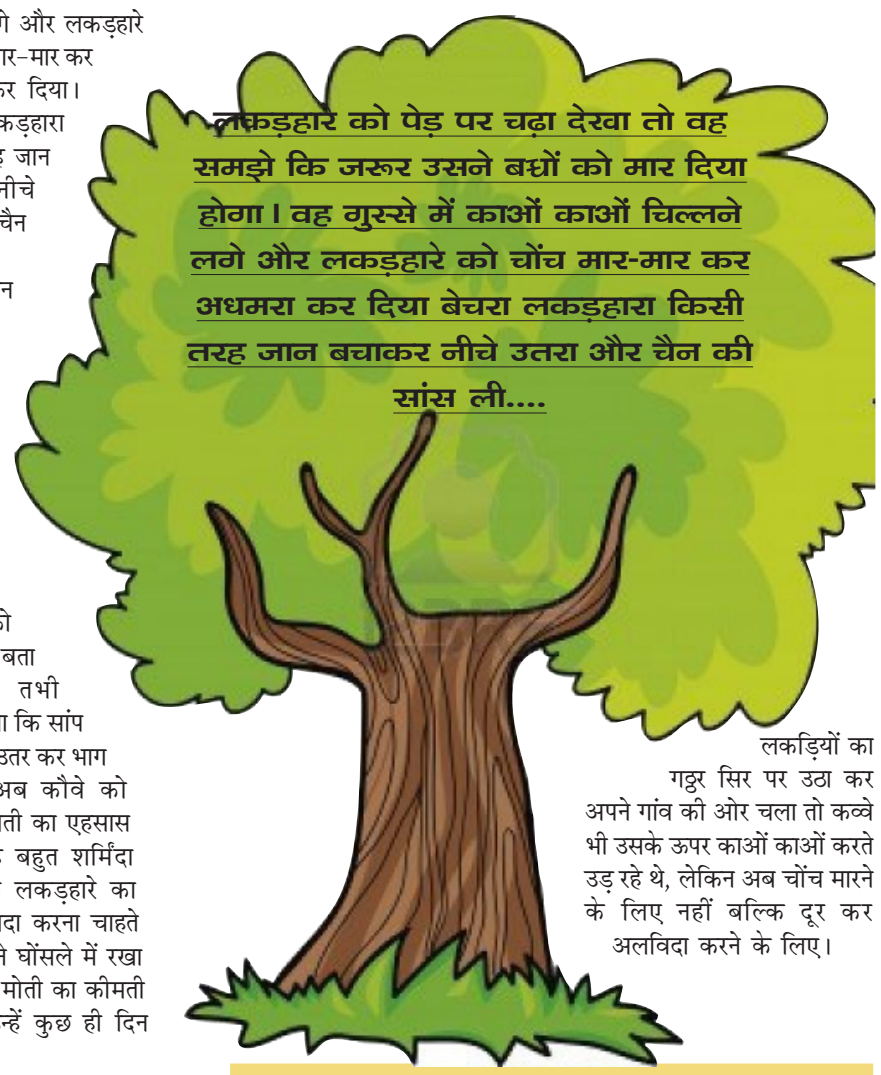

लक़ड़हारे को पेड़ पर चढ़ा देखा तो वह समझे कि जरूर उसने बच्चों को मार दिया होगा। वह गुस्से में काओं काओं चिल्लने लगे और लकड़हारे को चोंच मार-मार कर अधमरा कर दिया बेचरा लकड़हारा किसी तरह जान बचाकर नीचे उतरा और चैन की सांस ली....

ग्लोबल वार्मिंग को समझें!!!!

तापमान बढ़ने लगा है। ऐसे में लोग एसी और फ्रिज की मदद से अपने आपको चिल रखने की जुगत में लग गए हैं। लेकिन एसी और फ्रिज से हमारे वातावरण को काफी नुकसान हो रहा है। इन कूलिंग उपकरणों से क्लोरोफ्लोरा कॉर्बन गैसें उत्सर्जित होती हैं,जिससे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या हो रही है। जानें कैसे?

गर्मियां बढ़ने लगी हैं। गर्मी से बचने के लिए लोग एसी, फ्रिज कूलर आदि कूलिंग मशीनों का प्रयोग करते हैं। इससे उन्हें गर्मी से तो राहत मिल जाती है लेकिन इन कूलिंग मशीनों से निकलने वाली गैसों से वातावरण पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है। इन गैसों को क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसें कहते हैं। इन गैसों के दुष्प्रभाव से हमें ग्लोबल वार्मिंग का सामना करना पड़ रहा है। ग्लोबल वार्मिंग का मतलब है कि पृथ्वी लगातार गर्म होती जा रही है। तो वैश्विक तापमान में वृद्धि हो रही है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अगर इस पर रोक न लगाई गई, पृथ्वी पर जीवन संकट में पड़ सकता है। तापमान के बढ़ने से आने वाले दिनों में सूखा बढ़ेगा, बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी और मौसम प्रभावित होगा। ठंड के दिनों में ठंड नहीं पड़ेगी और गर्मी के दिन लम्बे हो जाएंगे।

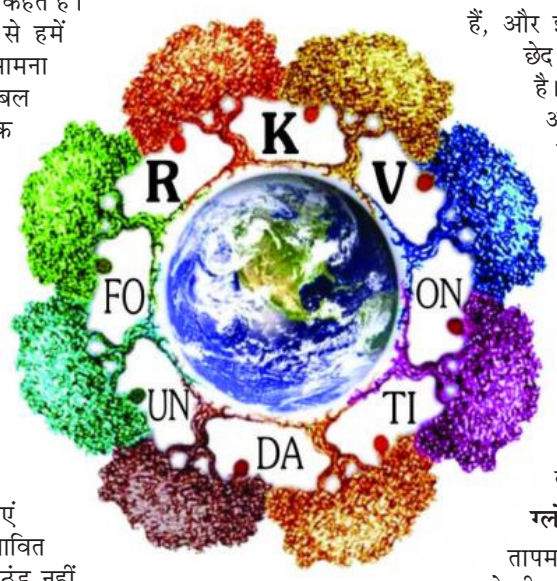

क्या होगा असर

ग्लोबल वार्मिंग का असर दिखने भी लगा है। तापमान के बढ़ने से ग्लेशियर पिघल रहे हैं और रेगिस्तान बढ़ते जा रहे हैं। कहीं असामान्य बारिश हो रही है, तो कहीं असमय ओले पड़ रहे हैं। जाहिर सी बात है गर्मियां ज्यादा होंगी, तो मच्छर ज्यादा होंगे और बीमारियों के बढ़ने के आसार होंगे। ग्लेशियरों के लगातार पिघलने के कारण पीने के पानी के स्रोत में कमी होगी। वैज्ञानिकों की मानें तो इस परिवर्तन के पीछे ग्रीन हाउस गैसों की मुख्य भूमिका है, जिन्हें सीएफसी या क्लोरो फ्लोरो कार्बन गैसें भी कहते हैं। इनमें कार्बन डाई ऑक्साइड है, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड गैसें आती हैं।

कैसे काम करती हैं

ग्रीन हाउस गैसें

उद्योगों के विस्तार से ग्रीन हाउस गैसें वातावरण में बढ़ती जा रही हैं, और इससे ओजोन परत में छेद का दायरा भी बढ़ रहा है। ओजोन की परत सूरज और पृथ्वी के बीच एक कवच की तरह है। ओजोन परत ऐसा कवच है, जिससे सूरज की अल्ट्रावायलेट किरणें हम तक नहीं पहुंच पातीं। जिस वजह से हम तमाम तरह के त्वचा रोगों से बचे रहते हैं।

क्या कारण है

ग्लोबल वार्मिंग का

तापमान में आए दिन जो बढ़ोत्तरी सुनने को मिल रही है। इसके पीछे तेजी से उद्योगों का बढ़ना भी एक कारण है। हमने अपने आवास के लिए जिस तरह से जंगलों को तेजी से काटा है, वह भी नुकसान पहुंचा रहा है। पेट्रोलियम पदार्थों के धुंए से होने वाला प्रदूषण इन्हीं कारणों में शामिल है। हम एसी और फ्रिज से अपने को ठंडा तो रख लेते हैं। लेकिन क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसें सबसे ज्यादा इन्हीं उपकरणों से उत्सर्जित होती हैं। इसलिए इनका प्रयोग जरूरत के हिसाब से करना होगा, ताकि गैसों का उत्सर्जन कम से कम हो।

क्या होगा असर

वैज्ञानिकों के अनुसार इस समय दुनिया का औसत तापमान 15 डिग्री सेंटीग्रेड है और आने वाले दिनों में इसमें और भी वृद्धि हो सकती है। जब तापमान के बढ़ने से ग्लेशियर पिघलेंगे तो समुद्र का जल स्तर बढ़ेगा। और समुद्री इलाकों के आस-पास रहने वालों को परेशानी होगी। सूनामी जैसी आपदाओं के आने पर ज्यादा जानमाल का नुकसान होगा।

ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के उपाय

ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए फ्रिज, एसी का प्रयोग कम से कम करना होगा। क्योंकि मुख्य रूप से सीएफसी यानी क्लोरोफ्लोरो कार्बन गैसों का उत्सर्जन इन्हीं से होता है। औद्योगिक चिमनियों से निकले वाले धुंए में कार्बन-डाई-ऑक्साइड होती है, जो गर्मी बढ़ाती है। इनमें प्रदूषण रोकने के उपाय करने होंगे। सीएनजी चालित वाहनों के प्रयोग को बढ़ावा देना होगा। इंडस्ट्री से निकलने वाले कचरे को फिर से रिसाइकल करने की कोशिश करनी होगी। जंगलों की कटाई पर रोक लगानी होगी। ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने होंगे। तब जाकर थमेगी ग्लोबल वार्मिंग।

चाणक्य के 10 अमर वाक्य

दोस्तों क्या तुम जानते हो कि दुनिया का सबसे महान अर्थशास्त्री कौन है। जी हां वह हैं हिंदुस्तान के गौरव आचार्य चाणक्य। आचार्य चाणक्य की ही नीतियां आज भी बड़े-बड़े अर्थशास्त्री उपयोग करते हैं। उनके इतिहास पर भारत को गर्व है। चाणक्य एक महान शिक्षक, प्रखर राजनीतिज्ञ एवं अर्थशास्त्रकार थे। आपके लिए प्रस्तुत है आचार्य चाणक्य के पंद्रह अमर वाक्य।

1 हर मित्रता के पीछे कोई स्वार्थ जरूर होता है, यह कड़वा सच है।

2 दूसरों की गलतियों से सीखो, अपने ही ऊपर प्रयोग करके सीखने को तुम्हारी आयु कम पड़ेगी।

3 व्यक्ति अपने आचरण से महान होता है जन्म से नहीं।

4 अगर कोई सर्प जहरीला नहीं है तब भी उसे जहरीला दिखना चाहिए। वैसे दंश भले ही न दो पर दंश दे सकने की क्षमता का दूसरों को अहसास करवाते रहना चाहिए।

5 किसी भी व्यक्ति को बहुत ईमानदार नहीं होना चाहिए। सीधे वृक्ष और व्यक्ति पहले काटे जाते हैं।

6 भय को नजदीक न आने दो, अगर यह नजदीक आए इस पर हमला कर दो यानी भय से भागो मत इसका सामना करो।

7 दुनिया की सबसे बड़ी ताकत पुरुष का विवेक और महिला की सुन्दरता है।

8 काम का निष्पादन करो, परिणाम से मत डरो।

9 ईश्वर चित्र में नहीं चरित्र में बसता है, अपनी आत्मा को मंदिर बनाओ।

10 सुगंध का प्रसार हवा के रुख का मोहताज होता है, पर अच्छाई सभी दिशाओं में फैलती है।

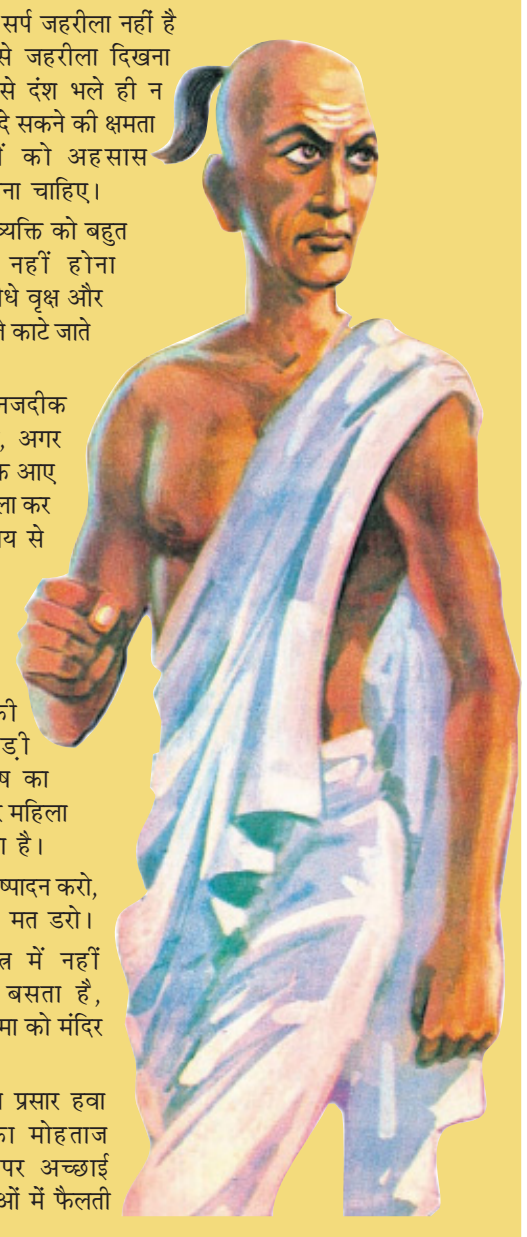

अंतर ढूंढो

दोनों चित्रों में आपको दस अंतर ढूढ़कर बताने हैं।

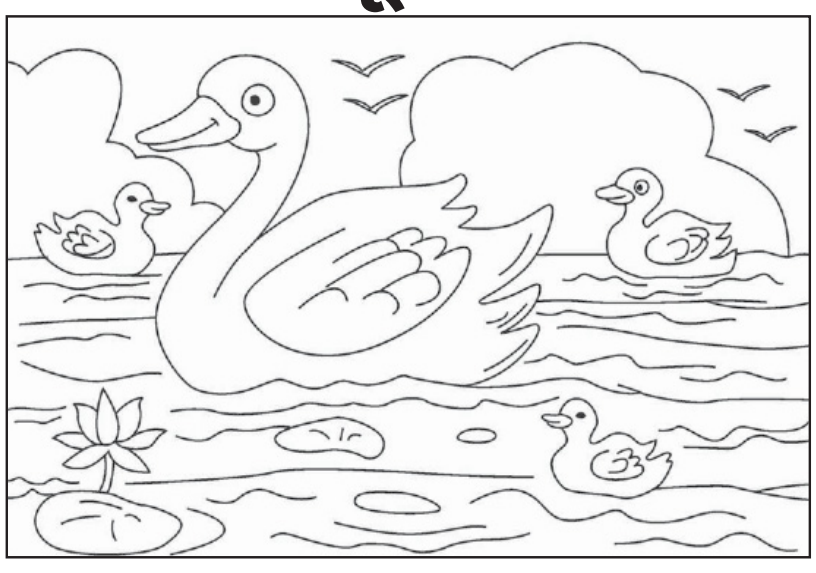

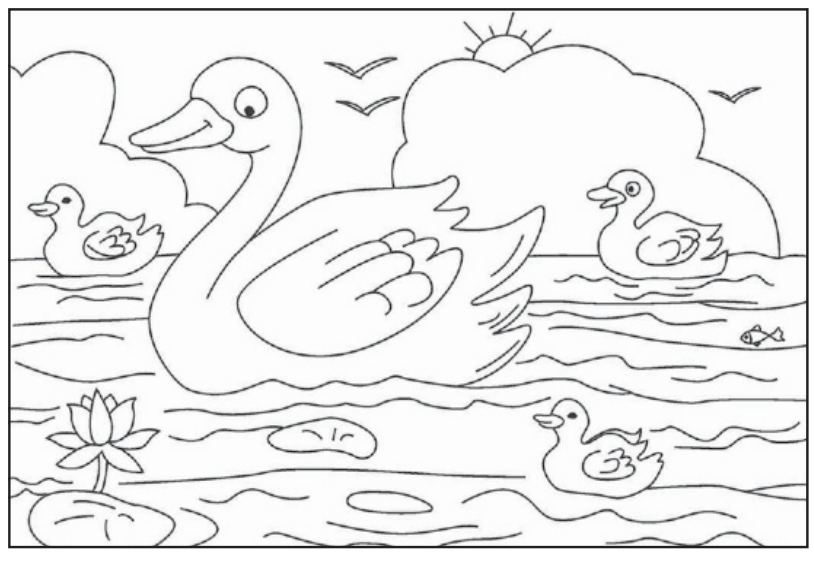

स्पेन में शैतान कौओं से पूरा शहर परेशान

-घरों पर चोंच मार-मारकर खुद को कर रहे लहूलुहान

स्पेन में शैतान कौओं की आबादी इतनी ज्यादा है कि उन्होंने पूरे शहर को परेशान कर रखा है।स्पेन के एक शहर प्राविया में ऐसा ही है, जहां कौओं का पूरा का पूरा झुंड ही घूमता रहता है। पहले ये लोगों के लिए इतनी मुसीबत नहीं पैदा करते थे, लेकिन अब हाल ये है कि इन्होंने शहर के घरों पर चोंच मार-मारकर न सिर्फ उन्हें दुखी कर रखा है बल्कि वो खुद को लहूलुहान कर रहे हैं। यहां के लोगों को कौओं के साथ रहने की आदत थी, लेकिन इस तरह से नहीं, जिस तरह अब हैं।प्राविया शहर का इतिहास ही है कि यहां सदियों से लोग पक्षियों के साथ तालमेल बनाकर रह रहे हैं। यहां कौओं का पूरा झुंड उड़ता रहता है लेकिन कभी ये लोगों को नुकसान नहीं पहुंचाते थे। अब हालात ये हैं कि कौओं के बड़े-बड़े झुंड न सिर्फ आसमान को ढक लेते हैं, बल्कि वे लोगों पर भी अटैक कर रहे हैं। कौओं को घरों की खिड़कियों पर हमला करते हुए देखा जा रहा है और लोगों की कारों पर भी वो चोंच मारते रहते हैं। उनके इस अजीब व्यवहार की शुरुआत मई के महीने से हुई है और ये बढ़ता ही जा रहा है। कोई ये समझ ही नहीं पा रहा है कि कौए ऐसा व्यवहार क्यों कर रहे हैं।जब इस तथ्य पर विचार किया गया कि आखिर कौए इंसानों से अपने अस्तित्व की लड़ाई प्राविया में क्यों लड़ रहे हैं तो स्थानीय लोगों ने बताया कि वे अपने बच्चों को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव हैं। यही वजह है कि वे इस तरह के व्यवहार से उन्हें खुद से अलग रखना चाहते हैं। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि खाने की कमी की वजह से वो घरों पर अटैक कर रहे हैं।

अमेरिका के इस शहर में सबसे ज्यादा बार दिखाई दिए एलियंस

वॉशिंगटन। अमेरिका हमेशा यूएफओ से जुड़ी घटनाओं को लेकर चर्चा में रहता है। ऐसा भी दावा किया जाता है कि यहां एलियंस भी आते हैं। खबर आ रही है कि मैरीलैंड में लगभग 2 हजार लोगों ने आसमान में अज्ञात उड़ने वाली वस्तुओं (यूएफओ) को देखा है। यह दावा नेशनल यूएफओ रिपोर्टिंग सेंटर द्वारा साझा की गई रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट में कहा गया कि आसमान में 4 घूमती हुई डिस्क देखी गईं और प्रत्येक डिस्क का रंग अलग था। 1,923 रिपोर्टों में कहा गया है कि अलग-अलग आकृतियों में यूएफओ को देखा गया। इन वस्तुओं का आकार, वृत्त, अंडाकार, त्रिकोण और हीरे से लेकर कई अलग-अलग आकृतियों से मिलता जुलता है। नेशनल यूएफओ रिपोर्टिंग सेंटर द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार मैरीलैंड सबसे अधिक यूएफओ देखे जाने वाला 25वां अमेरिकी राज्य है। वहीं कुल 16,084 दृश्यों के साथ कैलिफोर्निया में सबसे अधिक बार यूएफओ देखा गया। जहां कैलिफोर्निया में 16,084 सबसे ज्यादा यूएफओ को देखा गया। वहीं फ्लोरिडा में 8,205 बार यूएफओ देखा गया। वॉशिंगटन में 7,145 बार देखा गया। टेक्सास में 6,107 बार यूएफओ देखा गया। न्यूयॉर्क में 5,834 बार देखा गया। पेंसिल्वेनिया में 4,984 बार यूएफओ दिखाई दिया। एरिजोना में 4,909 बार यूएफओ दिखाई दिया। ओहियो में 4,412 बार दिखाई दिया। इलिनोइस में 4,247 बार यूएफओ दिखाई दिया। उत्तरी कैरोलिना में 3,630 बार यूएफओ दिखाई देने की बात रिपोर्ट की गई हैं। नासा टीम ने यूएफओ देखे जाने पर और अधिक शोध की मांग की है। पिछले महीने, नासा की अध्ययन टीम ने इन दृश्यों पर शोध पर गहन डेटा विश्लेषण की बात कही थी। जांच समूह ने कहा कि अधिकांश चीजों की पहचान विमानों, गुब्बारों, ड्रोन और मौसम की घटनाओं के रूप में की जाती है, लेकिन उन्हें पूरी तरह से समझने के लिए और अधिक वैज्ञानिक अनुसंधान की आवश्यकता है।

म्यांमार के यांगून में सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

यांगून। म्यांमार के यांगून में शनिवार को एक सड़क हादसे में एक बच्चे सहित चार लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अग्निशमन सेवा विभाग ने यह जानकारी दी है। विभाग ने कहा है कि यांगून क्षेत्र के मिंगलाडोन टाउनशिप में एक जंक्शन के पास शनिवार को स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 7:20 बजे एक यात्री बस, ट्रक और एक टैक्सी में भीषण टक्कर हो गयी। पेल अग्निशमन सेवा विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और एक व्यक्ति ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि ट्रक पर सवार सोलह महिलाएं और तीन पुरुष भी दुर्घटना में घायल हो गए। अधिकारी ने कहा कि मृतकों और घायलों को उत्तरी ओक्कलापा टाउनशिप के मयदारवी अस्पताल भेजा गया।

मेक्सिको के चियापास में भूकंप के झटके

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको के चियापास में शनिवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने बताया कि 0506 जीएमटी पर आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.8 मापी गयी है। भूकंप का केंद्र, 128.6 किलोमीटर की गहराई के साथ, 17.14 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 94.88 डिग्री पश्चिम देशांतर पर निर्धारित था।

भारतीय अमेरिकी दंपति ने हिंदू युवा शिविर-स्थल के निर्माण के लिए 17.5 लाख डॉलर दान किए

वाशिंगटन। ह्यूस्टन में रहने वाले एक भारतीय अमेरिकी दंपति ने टेक्सास में पहले हिंदू शिविर-स्थल के निर्माण की शुरुआत के लिए 17.5 लाख अमेरिकी डॉलर दान में दिए हैं। इस शिविर में हर गर्मियों में युवा शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि अकादमिक शिक्षा प्रदान करने वाले विद्यालयों और कॉलेजों के समान ही 'हिंदू हेरिटेज यूथ' शिविर असल जिंदगी के उदाहरणों के माध्यम से शिक्षा प्रदान करेगा। इतनी बड़ी राशि दान करने वाले दंपति सुभाष गुप्ता और सरोजिनी गुप्ता का कहना है कि वे शिविर को लेकर बहुत ही उत्सुक हैं क्योंकि यह अगली पीढ़ी में महत्वपूर्ण मूल्यों और जरूरी कौशल को विकसित करने का काम करेगा। सुभाष ने कहा, 'यह सबसे अच्छी चीज है, जो हम अगली पीढ़ी के लिए कर सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'हम पहले ही इस देश में युवाओं को खो रहे हैं क्योंकि वे हमारे हिंदू धर्म और हमारे मूल्यों को सहेजकर रखने में रूचि नहीं रखते, इसलिए हम जो कुछ भी इसे बचाने के लिए कर सकें वह बेहतर होगा।' यह शिविर-स्थल टेक्सास के कोलंबस में 37 एकड़ क्षेत्र में स्थित है, जो अगली गर्मियों तक बनकर पूरा हो जाएगा। यहां छह रात और पांच दिन का शिविर आयोजित किया जाएगा।

कनाडा में विमान हादसा, पायलट समेत तीन की मौत

ब्रिटिश कोलंबिया। कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में एक छोटा विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा चिलिवैक शहर में हुआ। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट्स में दी गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दो इंजन वाला यह विमान (पाइपर पीए-34) सेनेका स्थानीय हवाई अड्डे के पास एक मोटल के पीछे पेड़ों और झाड़ियों में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चिलिवैक शहर वैंकूवर से लगभग 100 किलोमीटर (62 मील) पूर्व में है। कनाडा के अधिकारियों ने कहा कि घटना की जांच चल रही है। हादसे में पायलट सहित विमान पर सवार सभी तीन लोग मारे गए। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस ने कहा कि वह परिजनों को सूचित कर रही है।

चीन में तूफान कोईनू की आहट, ऑरेंज अलर्ट जारी

चीन ने शनिवार को बड़ी लहरों, भारी बारिश और तेज हवा की चेतावनी दी क्योंकि तूफान कोइनू दक्षिणी प्रांत गुआंगडोंग और हैनान द्वीप के करीब पहुंच गया है। स्टेट ओशनिक एडमिनिस्ट्रेशन ने कहा कि शनिवार और रविवार को तूफान के प्रभाव से दक्षिण चीन सागर में नौ मीटर तक ऊंची लहरें उठने की आशंका है, क्योंकि उसने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जो चार रंगों वाली चेतावनी प्रणाली में दूसरा सबसे बड़ा अलर्ट है। राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, कोइनु, जिसका जापानी में अर्थ पपी है चीन के दक्षिणी तट के साथ 5-10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। सोमवार देर रात से इसके कमजोर होकर तीव्र उष्णकटिबंधीय तूफान में तब्दील होने की आशंका है। कोइनू ने ताइवान में एक व्यक्ति की हत्या कर दी थी और लगभग 400 लोगों को घायल कर दिया था, जिससे द्वीप के पूर्वी तट से दूर सुदूर ऑर्किड द्वीप पर सबसे व्यापक क्षति हुई थी।

नेपाल-एक सांसद की कमी के कारण चार महीने में चौथी बार गिरी कोशी प्रदेश की सरकार

काठमांडू, (एजेंसी)। नेपाल के कोशी प्रदेश में सिर्फ एक सांसद की कमी के कारण पिछले चार महीने में चौथी बार सरकार गिर गई है। बहुमत के लिए आवश्यक संख्या में सिर्फ एक सांसद की कमी होने से मुख्यमंत्री हिक्मत कार्की ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है।

बहुमत साबित करने के आज आखिरी दिन कार्की ने बहुमत नहीं जुटा पाने के कारण सदन में मतदान से ठीक पहले अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी एमाले के संसदीय दल के नेता रहे कार्की दूसरी बार बहुमत साबित नहीं कर पाने के कारण पद छोड़ने पर मजबूर हुए हैं। सबसे बड़े राजनीतिक दल के नेता रहे कार्की को आवश्यक बहुमत 47 से एक सांसद की कमी रह गई। इससे पहले भी जब आम चुनाव के बाद पहली बार सरकार बनी थी, तब भी कार्की ही मुख्यमंत्री बने थे। उस समय भी आवश्यक बहुमत से एक वोट की कमी के कारण उनकी सरकार गिर गई थी।

बीच में नेपाली कांग्रेस ने माओवादी सहित अन्य गठबन्धन दलों की सरकार रही। नेपाली कांग्रेस संसदीय दल के नेता उद्धव थापा के नेतृत्व में दो बार सरकार बनी थी लेकिन दोनों बार ही एक सांसद की कमी के कारण उनकी भी सरकार गिर गई। पहली बार में सदन के सभामुख के मत को जोड़कर आवश्यक बहुमत पहुंचाया था लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उस सरकार को ही अवैध घोषित कर दिया और उद्धव सरकार को बर्खास्त कर फिर से सरकार गठन का आदेश दिया।

दूसरी बार भी सरकार बनाने की कवायद में कांग्रेस ने

अपने स्पीकर को इस्तीफा दिलवा कर बहुमत साबित करने की चाल चली। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक स्पीकर की अनुपस्थिति में डिप्टी स्पीकर और इन दोनों की अनुपस्थिति में सदन के सबसे ज्येष्ठ सदस्य को स्पीकर का दायित्व देने का प्रावधान है। कांग्रेस गठबन्धन की इस चाल को भांपते हुए स्पीकर की इस्तीफे के बाद बहुमत साबित करने से ठीक एक दिन पहले नाटकीय घटनाक्रम में विपक्षी दल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी की नेता रही डिप्टी स्पीकर तबीयत खराब का बहाना कर अस्पताल में दाखिल हो गईं। उसके बाद ज्येष्ठ सदस्यों में पांच विधायक विपक्षी दल के पास थे। बहुमत जुटाने के दिन सत्ता पक्ष की चाल को मात देने के लिए ये पांचों सदस्य अनुपस्थित हो गए।

नेपाली कांग्रेस की सरकार बचाने के लिए छठे वरीयता क्रम के सदस्य कांग्रेस के ही एक विधायक को कार्यवाहक स्पीकर की जिम्मेदारी दी गई। स्पीकर ने मतदान कराया और खुद भी सरकार के पक्ष में मतदान कर दिया। कोर्ट ने इसको मान्यता नहीं दी और दूसरी बार उद्धव थापा की सरकार गिर गई। संविधान के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने सबसे बड़े दल के नाते एमाले संसदीय दल के नेता हिक्मत कार्की को फिर से मुख्यमंत्री नियुक्त करने का परमादेश तो दिया लेकिन कार्की अपना बहुमत साबित नहीं कर पाए और शनिवार को उनको पद छोड़ना पड़ा। सदन में कार्की ने कहा कि मध्यावधि चुनाव रोकने के लिए उन्होंने अपनी तरफ से पूरा प्रयास किया लेकिन वो असफल रहे। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी एमाले मध्यावधि चुनाव के लिए तैयार है। हालांकि नेपाल के संविधान में यह उल्लेख है कि जब सबसे बड़े गठबन्धन या सबसे बड़े दल भी बहुमत साबित करने में अक्षम हो जाए तब सदन के किसी भी एक सदस्य के पास भी बहुमत हो जाता है तो उसको भी सरकार का नेतृत्व करने का अवसर दिया जाएगा।

अब कोशी प्रदेश में आखिरी बार सरकार बनाने का प्रयास किया जाएगा। अगर किसी भी पार्टी के किसी भी विधायक को राज्यपाल के पास सदन की कुल संख्या 93 में आवश्यक बहुमत 47 विधायकों का समर्थन मिल जाता है तो सरकार गठन होने की संभावना बनी रहेगी। इस समय एमाले गठबन्धन के पास 46 विधायक हैं जबकि कांग्रेस गठबन्धन के पास 47 विधायक हैं। फिलहाल, स्पीकर की सीट पर बैठे विधायक को वोट देने के अधिकार को लेकर संविधान में कुछ भी स्पष्ट उल्लेख नहीं होने कारण सुप्रीम कोर्ट ने स्पीकर द्वारा दिए गए वोट को मान्यता देने से इनकार कर दिया है।

मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को दलीलें पेश करने का दिया मौका

वॉशिंगटन। मुंबई में 2008 में हुए आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को अमेरिका की संघीय अदालत ने दलीलें पेश करने का समय दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तानी मूल के कनाडाई कारोबारी तहव्वुर राणा को भारत को प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ दलीलें पेश के लिए और समय दिया गया है। तहव्वुर राणा (62) ने कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ 'नाइंथ सर्किट कोर्ट' में अपील की है, जिसमें बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को खारिज कर दिया गया था। 'नाइंथ सर्किट कोर्ट' ने राणा को अपनी दलीलें पेश करने के लिए अब 10 अक्टूबर तक का समय दिया था, लेकिन उसे और अधिक समय दिए जाने का उसका अनुरोध मंगलवार को स्वीकार कर लिया। अदालत के हालिया आदेश के अनुसार, राणा को नौ नवंबर तक दलीलें पेश करनी हैं और सरकार को 11 दिसंबर, 2023 तक अपना जवाब देना है। इससे पहले, अदालत ने 18 अक्टूबर को राणा के प्रत्यर्पण पर रोक लगाने का आदेश दिया था, ताकि 'यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स' में उसकी याचिका पर सुनवाई की जा सके। राणा इस समय लॉस एंजिलिस स्थित मेट्रोपोलिटन डिटेंशन सेंटर में हिरासत में है। राणा पर मुंबई हमलों में संलिप्त होने के आरोप हैं और माना जाता है कि 26/11 मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी-अमेरिकी आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से उसके संपर्क थे। 'यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स फॉर द नाइन्थ सर्किट' के न्यायाधीश डेल एस। फिशर ने अगस्त में राणा से 10 अक्टूबर से पहले अपनी दलीलें पेश करने को कहा था और अमेरिका सरकार को आठ नवंबर तक दलीलें रखने को कहा था।

इजरायल और हमास में छिड़ गया युद्ध, दागे 5000 रॉकेट

यरुशलम (एजेंसी)। फिलिस्तीनी आतंकवादियों द्वारा शनिवार तड़के दर्जनों रॉकेट दागकर इजरायल में अभूतपूर्व घुसपैठ करने के बाद एक महिला की मौत हो गई। इस घटना ने गाजा पट्टी से कई घुसपैठ और रॉकेट हमलों के बाद इज़राइल को 'युद्ध की स्थिति' घोषित करने के लिए प्रेरित किया। इसने अपने लोगों से घर के अंदर रहने का भी आग्रह किया। इज़रायली सेना ने कहा कि कई आतंकवादियों ने इज़रायली क्षेत्र में घुसपैठ की है। इज़रायली रक्षा मंत्री ने आरक्षित सैनिकों की लामबंदी को मंजूरी दी। उनके कार्यालय के अनुसार, इजरायली रक्षा मंत्री जोआव गैलेंट ने रिजर्विस्टों की लामबंदी को मंजूरी दे दी है। गैलेंट के कार्यालय के एक बयान में कहा गया है कि ड्यूटी के लिए बुलाए जाने वाले रिजर्वों की संख्या सेना की जरूरतों पर निर्भर करेगी।

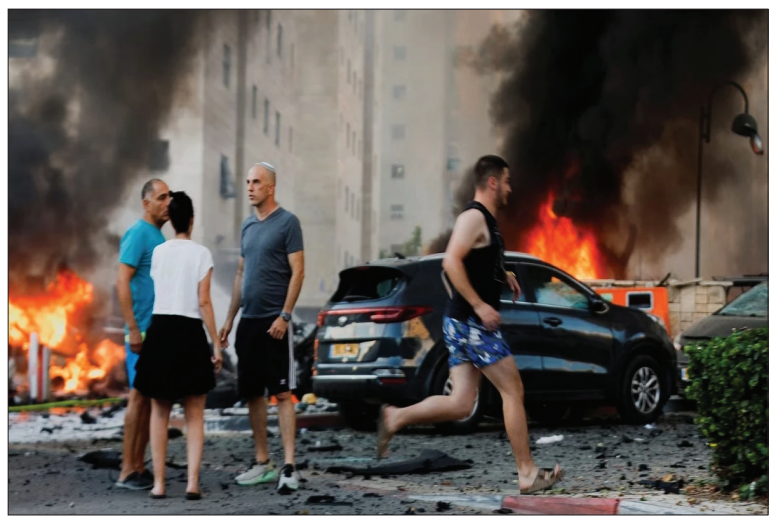

यह इस लड़ाई का हिस्सा

आरोप है कि हमास ने इजरायल पर 5 हजार से ज्यादा रॉकेट दागे हैं। इजरायल की सेना ने घुसपैठ को लेकर बयान दिया है। सेना ने कहा कि गाजा की तरफ से आतंकियों ने घुसपैठ की है। हम इलाके के लोगों को घरों में रहने की अपील करते हैं। फ़िलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद समूह ने कहा है कि यह इस लड़ाई का हिस्सा है। एक प्रवक्ता ने कहा कि हमारे कैडर जीत तक हमास में अपने भाइयों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़े हैं।

अब तक क्या हुआ

हमास की सैन्य शाखा अल क़सम ब्रिजेज ने एक ऑपरेशन की घोषणा की है जिसे वे 'अल अक्सा बाढ़' कह रहे हैं। उनका कहना है कि अल-अक्सा में चल रहे उकसावों के जवाब में उन्होंने घिरे फिलिस्तीनी क्षेत्र से इज़राइल की ओर हजारों रॉकेट दागे हैं। माना जाता है कि गाजा से दागे गए रॉकेट अश्कलोन में गिरे और इजराइल के केफ़र अवीव क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गई। गाजा और उसके आस-पास के साथ-साथ मध्य और दक्षिणी इज़राइल-जहाँ तक कि तेल अवीव और पूर्वी यरुशलम तक चेतावनी सायरन बजाए गए हैं। इज़रायली सेना ने गाजा के साथ सीमा क्षेत्र के पास के निवासियों से भी घर के अंदर रहने का आग्रह किया है।

सुनक ने भारत-कनाडा के बीच जारी तनाव कम होने की जताई उम्मीद

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि भारत-कनाडा के बीच राजनयिक तनाव में कमी आएगी। बिगड़ते संबंधों के बीच नई दिल्ली ने ओटावा से 10 अक्टूबर तक अपने 41 राजनयिकों को वापस बुलाने को कहा है।

शुक्रवार शाम को अपने कनाडाई समकक्ष जस्टिन ट्रूडो के साथ एक कॉल में, सनक ने यूके की स्थिति की पुष्टि की कि सभी देशों को संप्रभुता और कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए।

एक सरकारी बयान में कहा गया, 'प्रधानमंत्री ने ब्रिटेन की स्थिति के बारे में बताते हुए कहा कि सभी देशों को राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन के सिद्धांतों सहित संप्रभुता और कानून के शासन का सम्मान करना चाहिए।'

ट्रूडो ने भारत में कनाडाई राजनयिकों से संबंधित स्थिति पर सुनक को अपडेट किया और दोनों नेता 'संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए।' ट्रूडो द्वारा पिछले महीने संसद में भारतीय खुफिया एजेंटों द्वारा खालिस्तान समर्थक सिख कट्टरपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में शामिल होने के आरोप के बाद कनाडा और भारत के बीच संबंधों में खटास आ गई।

ट्रूडो के आरोपों के बाद, दोनों देशों ने एक-एक राजनयिक को निष्कासित कर दिया और भारत ने कनाडा के आरोपों को 'राजनीति से प्रेरित' और 'बेतुका' बताया। हाल ही में, नई दिल्ली ने ओटावा को भारत में अपने 62 राजनयिकों में से 41 को वापस बुलाने के लिए कहा। सीटीवी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा ने अपने अधिकांश राजनयिक कर्मचारियों को भारत से निकाल लिया है और उन्हें कुआलालंपुर (मलेशिया) या सिंगापुर में स्थानांतरित कर दिया है।

नवाज शरीफ ने लंदन में कहा- अब पाकिस्तान लौट जाऊंगा, सहयोग के लिए शुक्रिया

लंदन (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के प्रमुख नवाज शरीफ ने घरवापसी से पहले शुक्रवार को सभी टीवी चैनलों के पत्रकारों को अनौपचारिक बातचीत के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान लंदन में अपने चार साल के निर्वासन पर कवरेज के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि अब वह अपने वतन लौट जाएंगे। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) के लंदन मुख्यालय स्टैनहोप हाउस में उन्होंने पत्रकारों से कहा, कार्यालय में आज कामकाज के लिहाज से उनका यह आखिरी जुमा है। इस दौरान उनका दर्द भी छलका। नवाज ने कहा कि इमरान खान की पार्टी पीटीआई के कुछ समर्थक चार साल से लंदन में उनके खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। यह लोग पाकिस्तान की खराब छवि बनाने के अलावा कुछ भी हासिल करने में बुरी तरह विफल रहे। नवाज शरीफ लगभग दो सप्ताह बाद पाकिस्तान लौटेंगे। वह विषम हालात में नवंबर 2019 में ब्रिटिश राजधानी पहुंचे थे। उन्होंने कहा-'मैं सभी मंचों से उन सभी पत्रकारों का आभारी हूं, जिन्होंने मेरी तारीफ और खिलाफत की। जिन लोगों ने मेरे खिलाफ काम किया, उन्होंने मजबूरियों और चैनलों की नीतियों के कारण ऐसा किया। मैं आप सभी का आभारी हूं।' उन्होंने कहा, 'आज कार्यालय में मेरा आखिरी दिन है। अब मैं चला जाऊंगा।' पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शरीफ आने वाले शुक्रवार से पहले सऊदी अरब के लिए रवाना होंगे। वहां वह एक सप्ताह बिताएंगे। इस दौरान अपने परिवार के सदस्यों के साथ उमरा करेंगे। इसके बाद वह दुबई पहुंचेंगे और वहां से पाकिस्तान के लिए रवाना होंगे। लंदन में उनकी पार्टी का कार्यालय हाइड पार्क के पास है। इस कार्यालय का प्रबंधन उनके पुत्र हसन नवाज शरीफ अपने व्यवसाय के लिए करते हैं।

जस्टिन ट्रूडो का बिना ठोस सबूत के भारत पर आरोप लगाना दुर्भाग्यपूर्ण : यूएसआईएसपीएफ

वाशिंगटन (एजेंसी)। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष मुकेश अघी का कहना है कि यह ''दुर्भाग्यपूर्ण'' है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने पिछले महीने संसद में बिना ठोस सबूत के भारत के खिलाफ आरोप लगाए। खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट की संलिप्तता के ट्रूडो के आरोपों के बाद पिछले महीने भारत और कनाडा के बीच तनाव बढ़ गया था। भारत ने कनाडा के आरोपों को निराधार करार देकर खारिज किया है।

अघी ने पीटीआई-के साथ एक साक्षात्कार में शुक्रवार को कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक महत्वपूर्ण मुद्दे को बिना किसी ठोस सबूत के संसद में उठाया गया और इससे दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए।'' उन्होंने कहा, ''भारत और कनाडा के बीच संबंध काफी पुराने हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार बहुत बड़ा है। 2,30,000 से अधिक भारतीय छात्र वहां (कनाडा) पढ़ते हैं। कनाडा ने भारत में लगभग 55 अरब डॉलर का निवेश किया है। ऐसे में, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक देश के प्रधानमंत्री संसद में कहते हैं कि ''विश्वसनीय आरोप'' हैं और यह साबित करने के लिए सबूत पेश नहीं कर पा रहे हैं कि ये आरोप विश्वसनीय हैं।''

यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) के अध्यक्ष अघी ने कहा, ''मुझे लगता है कि परिपक्वता से स्थिति को संभालना होगा, क्योंकि इसका प्रभाव पड़ता है। कनाडा भारत पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका का सहारा लेना चाहता है।'' एक सवाल के जवाब में अघी ने कहा कि कनाडा और भारत के बीच राजनयिक विवाद का भारत-अमेरिका संबंधों पर असर पड़ेगा, लेकिन लंबी अवधि में भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंध गहरे और व्यापक होते रहेंगे। उन्होंने कहा, ''अमेरिका-भारत संबंध भूराजनीतिक हैं। ये आर्थिक मुद्दों और भारतीय-अमेरिकी प्रवासियों से जुड़े हैं। हां, इसका (भारत-कनाडा विवाद) प्रभाव पड़ेगा, लेकिन लंबी अवधि में संबंध गहरे और व्यापक होते रहेंगे।'' अघी ने दावा किया कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने घरेलू राजनीति और अपने राजनीतिक अस्तित्व के लिए एक सिख बहुल पार्टी पर उनकी निर्भरता के चलते ये आरोप लगाए।

आटा के लिए किडनी बेच रहे पाकिस्तानी? 1 करोड़ में बिकी एक

लाहौर (एजेंसी)। महंगाई और कंगाली से जूझ रहे पाकिस्तान को लेकर जो डर था वो अब सच साबित हो गया है। महंगाई और कंगाली दूर करने के लिए लोग अब किडनी बेचने पर मजबूर हो गए हैं। पाकिस्तान में भूख इम्तिहान ले रही है और कुछ लोग ऐसे हैं जो लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर किडनी निकाल रहे हैं। इसके साथ ही इसे महंगे दामों में बेच रहे हैं। पाकिस्तान में आठ लोगों को किडनी बेचने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया है। आरोप है कि उन आठ लोगों ने ऑपरेशन कर अब तक 328 किडनी निकाली है। बताया जा रहा है कि हर किडनी के लिए अमीरों से 1 करोड़ रुपए लिए जा रहे थे। पाकिस्तान के पंजाब से लेकर कई शहरों तक किडनी चोरों का गिरोह सक्रिय है। जिनके निशाने पर पाकिस्तान के गरीब हैं। किडनी चोर गरीबों की कंगाली दूर करने का लालच देकर उनकी किडनी निकाल रहे हैं। पाकिस्तान में गरीबों की किडनी की कीमत तीस लाख पाकिस्तानी रुपए से लेकर 1 करोड़ तक है। किडनी चोर गैंग के आतंक का खुलासा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के कार्यवाहक मुख्यमंत्री मोहसिन नकवी ने खुद किया है।

पुलिस के अनुसार, कथित सरगना फवाद मुख्तार पर कम से कम 328 अवैध किडनी प्रत्यारोपण करने का आरोप है, जिसमें उसने अस्पतालों से कमजोर मरीजों को लुभाया था। द नेशनल की रिपोर्ट के अनुसार, मुख्तार, एक डॉक्टर, को पहले चिकित्सा कदाचार के आरोप में पांच बार गिरफ्तार किया गया था, लेकिन हर बार जमानत मिलने के बाद रिहा कर दिया गया था। सीएनएन के अनुसार, पंजाब प्रांत के मुख्यमंत्री ने कहा, उन्होंने एक कार मैकेनिक के साथ काम किया, जिसका नाम नहीं बताया गया है, जो एनेस्थीसिया देता था और मरीजों को लुभाने में मदद करता था। उन्होंने कहा कि जिन लोगों के अंग निकाले गए उनमें से कुछ को यह नहीं पता था कि उनकी किडनी निकाली जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुनाम्बम नाव हादसा : एक मछुआरे का शव बरामद, तीन अन्य की तलाश जारी

कोच्चि। केरल में कोच्चि के पास मुनान्बम तट से दूर समुद्र में मछली पकड़ने वाली एक नाव के पलटने से लापता हुए मछुआरों में से एक का शव शनिवार को खोज एवं बचाव दल ने बरामद कर लिया। तटीय पुलिस के मुताबिक, सरत (24) का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि तीन अन्य लापता मछुआरों की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना उस वक्त हुई, जब सात मछुआरे बृहस्पतिवार रात नाव 'नानमा' में मछली पकड़कर तट की ओर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, हादसे में चार लोग लापता हो गए, जबकि तीन अन्य मछुआरों को पास में मौजूद मछली पकड़ने वाले जहाज के लोगों ने बचा लिया। पुलिस ने बताया कि भारतीय तटरक्षक नौकाएं, समुद्री एम्बुलेंस और अन्य बचाव दल लापता मछुआरों की तलाश में जुटे हैं।

इंदौर में चार साल की बच्ची के यौन उत्पीड़न के आरोप में स्कूल वैन का चालक गिरफ्तार

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर शहर में एक निजी प्ले स्कूल की वैन के चालक ने चार साल की एक बच्ची का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि बच्ची के माता-पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार शाम को वैन चालक को गिरफ्तार कर लिया, जिसकी पहचान सुमित के रूप में हुई है। संयोगितागंज पुलिस थाना प्रभारी विजय तिवारी ने कहा कि यौन उत्पीड़न की बात तब सामने आई, जब मां ने बच्ची का व्यवहार असामान्य पाया और पीड़िता ने उसके निजी अंगों में दर्द की शिकायत की। तिवारी के अनुसार, बच्ची ने अपनी मां को बताया कि आरोपी ने उसके निजी अंगों को छुआ और उसका यौन उत्पीड़न किया। उन्होंने कहा, 'माता-पिता बच्ची को पुलिस थाने ले आए, जहां से उसे मेडिकल जांच के लिए भेजा गया।' तिवारी के मुताबिक, पुलिस ने निजी प्ले स्कूल से चालक का विवरण हासिल किया और शुक्रवार शाम को उसे गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 376(3) (16 वर्ष से कम उम्र की लड़की से बलात्कार), 354 (किसी महिला पर हमला या आपराधिक बल प्रयोग) और 506 (आपराधिक धमकी) के अलावा यौन अपराधों से बच्चे का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तृणमूल कांग्रेस का अनिश्चितकालीन धरना तीसरे दिन भी जारी, दार्जीलिंग में राज्यापल से मिलेगा प्रतिनिधिमंडल

कोलकाता। कोलकाता में राज भवन के बाहर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी की अगुवाई में पार्टी कार्यकर्ताओं का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस जब तक प्रदर्शन स्थल पर आकर उनसे नहीं मिलते, तब तक यह धरना जारी रहेगा। धरना दे रहे कार्यकर्ताओं का एक समूह शनिवार को राज्यपाल से दार्जीलिंग में मिलेगा। राज भवन के सूत्रों ने बताया कि बोस तृणमूल नेता डेरेक ओ ब्रायन से ईमेल के जरिये अनुरोध मिलने के बाद शाम साढ़े पांच बजे दार्जीलिंग के गुबर्नटोरियल मेंशन में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से मिलने को राजी हो गए हैं। केंद्र सरकार द्वारा पश्चिम बंगाल की कथित बकाया मनरेगा राशि जारी करने और बोस के साथ औपचारिक बैठक की मांग को लेकर अभिषेक बनर्जी की अगुवाई में तृणमूल कार्यकर्ता धरना दे रहे हैं, जिसके मद्देनजर राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल से मिलने का फैसला किया है। टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक ने कहा कि धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक बोस राज भवन के बाहर प्रदर्शन स्थल पर आकर प्रदर्शनकारियों से मुलाकात नहीं करते। उन्होंने कहा कि टीएमसी के तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में राज्य के पंचायत मंत्री प्रदीप मजूमदार और लोकसभा सांसद कल्याण बनर्जी व महुआ मोइत्रा शामिल हैं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में, न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में दर्ज की गई और न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दिल्ली में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 231 दर्ज किया गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई 'अच्छा', 51 से 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच 'मध्यम', 201 से 300 के बीच 'खराब', 301 से 400 के बीच 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच 'गंभीर' माना जाता है। शनिवार सुबह साढ़े आठ बजे दिल्ली में सापेक्षिक आर्द्रता 62 फीसदी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने दिन में आसमान साफ रहने का अनुमान जताया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शनिवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। केंद्र सरकार की वायु गुणवत्ता समिति ने शुक्रवार को दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'खराब' श्रेणी में पहुंचने के बाद अधिकारियों को होटल व रेस्तरां में कोयले के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों व ताप ऊर्जा संयंत्रों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सर्दी के दौरान दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लागू की जाने वाली केंद्र सरकार की चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के तहत यह कदम उठाया गया है।

मनरेगा के तहत काम की मांग दबा रही सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मजदूरी के भुगतान में परोक्ष रूप से देरी करके महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत मांग को दबा रही है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक खबर का हवाला भी दिया, जिसमें कहा गया है कि मनरेगा के बजट की कमी हो गई है और ग्रामीण विकास मंत्रालय ने इसके लिए और आवंटन की मांग की है। रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'एक तरफ, अप्रैल-सितंबर 2023 के दौरान भारत में कुल वाहन बिक्री का 48 प्रतिशत एसयूवी का था। दूसरी ओर, इस वित्तीय वर्ष के पहले छह महीनों में ही वर्ष 2023-24 के लिए मनरेगा के तहत बजट का 60,000 करोड़ रुपये खत्म हो गया है।' उन्होंने आरोप लगाया कि यह न केवल देशभर में गहराते ग्रामीण संकट और बढ़ती असमानता को स्पष्ट रूप से इंगित करता है, बल्कि मोदी सरकार की प्राथमिकताओं को भी दर्शाता है, जो मजदूरी भुगतान में परोक्ष रूप से अत्यधिक देरी करके मनरेगा के तहत काम की मांग को दबा रही है। रमेश ने कहा, 'मामले को बदतर बनाने के लिए मोदी सरकार ने पारदर्शिता के नाम पर डिजिटलीकरण के लिए मजबूर कर दिया है, जबकि वास्तव में इसे उन लोगों के बीच मनरेगा की मांग को हतोत्साहित करने के वास्ते एक औजार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है, जिन्हें हकीकत में इस कार्यक्रम की आवश्यकता है।'

उत्तर बंगाल की बाढ़ में मिले सिक्किम से बह कर आए सेना के 06 जवानों के शव

कोलकाता, 07 अक्टूबर (वेब वार्ता)। सिक्किम की भीषण आपदा के बाद तीस्ता नदी का जलस्तर बढ़ कर उत्तर बंगाल के समतल क्षेत्रों में बहने लगा है। इस दौरान सिक्किम से उत्तर बंगाल पहुंच रहे पानी में बह कर आए कई शव मिले हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के सूत्रों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार रात तक 22 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। इनमें से 06 शव सेना के जवानों के हैं। शव उत्तरी क्षेत्र में जलपाईगुड़ी जिले में तीस्ता नदी से बरामद किए गए। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अनुमान के अनुसार बरामद किए गए 22 शवों में से कम से कम 06 भारतीय सेना के जवानों के हैं, जो सिक्किम में अचानक आई बाढ़ के बाद से लापता हैं। आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी ने कहा कि बचाव अभियान आगे बढ़ने पर और शवों के बरामद होने की आशंका है। अब तक बरामद शवों को जलपाईगुड़ी जिले के मालबाजार, मयनागुड़ी, जलपाईगुड़ी टाउन के चार अलग-अलग अस्पतालों और निकटवर्ती दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी में उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में संरक्षित किया गया है। उत्तर बंगाल को सिक्किम से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग 10 भूस्खलन के बाद क्षतिग्रस्त हो गया है। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के सूत्रों के मुताबिक छोटे राहत और बचाव वाहनों को वैकल्पिक मार्गों के माध्यम से सिक्किम के विभिन्न हिस्सों में भेजा जा रहा है, जो पारंपरिक मार्ग की तुलना में अधिक दूरी का है।

बच्चों में कुपोषण और पढ़ाई बीच में छोड़ने की समस्या का हल प्राथमिकता से करें: शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मध्य क्षेत्रीय परिषद के राज्यों से बच्चों में कुपोषण और स्कूली बच्चों की पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर (ड्रॉप आउट दर) जैसी समस्याओं को प्राथमिकता से लेने का आहवान किया। ऋषिकेश के निकट टिहरी जिले के नरेंद्रनगर में मध्य क्षेत्रीय परिषद की 24 वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए शाह ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा उठाए गए एक महत्वपूर्ण कदम के तहत पूरे देश में किसानों से 100 प्रतिशत दलहन, तिलहन और मक्का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी)पर भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) द्वारा खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि लाख उत्पादन को पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना में शामिल किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि किसानों को क्रेडिट कार्ड दिए जाएंगे जिससे लाख उत्पादन से जुड़े किसानों को लाभ होगा। शाह ने सहकारिता, कुपोषण तथा स्कूली बच्चों की पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर जैसे मुद्दों को प्राथमिकता से लेने और सभी सदस्या राज्यों से इसपर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने बच्चों में कुपोषण समाप्त करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा, ''इस समस्या को पूरी संवेदनशीलता के साथ दूर करना हम सबकी जिम्मेदारी है।'' शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमेशा सहकारी संघवाद की भावना को मजबूत करने पर बल दिया है जिसके तहत क्षेत्रीय परिषदों ने समस्याओं का समाधान निकालने, वित्तीय समावेशिता बढ़ाने और नीतिगत बदलावों में 'कैटेलिस्ट' की भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि इन राज्यों ने मोदी के 'टीम इंडिया' की अवधारणा को जमीन पर उतारा है। बैठक में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे जबकि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज चौहान ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू तथा अनेक केंद्रीय और राज्य सरकारों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में कोदो और कुटकी का मूल्य रागी के एमएसपी के बराबर तय करने का निर्णय लिया गया। शाह ने कहा, ''इस फैसले से देश भर के करोड़ों किसानों को लाभ होगा, खासकर मध्य क्षेत्रीय परिषद के सदस्य राज्यों के किसानो को।'' बैठक में पांच किलोमीटर के दायरे में हर गांव को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने, रॉयल्टी और खनन से संबंधित मुद्दों और वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित जिलों में बुनियादी ढांचे के विकास जैसे मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

राहुल और प्रियंका गांधी अगले हफ्ते मध्य प्रदेश में अलग-अलग जनसभा करेंगे

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा क्रमश 10 और 12 अक्टूबर को चुनावी राज्य मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर जनसभा को संबोधित करेंगे। पार्टी के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के लिए इस साल नवंबर में चुनाव होने हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जहां राज्य में अपनी सरकार बरकरार रखने का प्रयास कर रही है, वहीं विपक्षी दल कांग्रेस सत्ता में लौटने की कोशिशों में जुटी है। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष के के मिश्रा ने कहा, 'कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 10 अक्टूबर को शहडोल जिले के ब्योहारी में एक रैली को संबोधित करेंगे। वहीं, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा 12 अक्टूबर को मंडला में एक जनसभा को संबोधित करेंगी।' मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के प्रमुख कमल नाथ भी पार्टी के अन्य नेताओं के साथ दोनों जनसभाओं को संबोधित करेंगे। हाल के दिनों में मध्य प्रदेश में प्रियंका की यह चौथी रैली होगी। पांच अक्टूबर को उन्होंने धार जिले के मोहनखेड़ा में एक रैली को संबोधित किया था। इससे पहले, वह जबलपुर और ग्वालियर में रैलियों को संबोधित कर चुकी हैं। शहडोल में राहुल की रैली 30 सितंबर के बाद राज्य में उनकी दूसरी जनसभा होगी। इससे पहले उन्होंने शाजापुर जिले में एक रैली को संबोधित किया था। पिछले साल उनकी 'भारत जोड़ो यात्रा' भी राज्य से गुजरी थी। अपनी मोहनखेड़ा रैली के दौरान प्रियंका ने कांग्रेस की गारंटी दोहराई थी और जातिगत जनगणना की वकालत की थी। उन्होंने राज्य की भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप भी लगाया था। कांग्रेस ने कई वादे किए हैं, जिनमें मुफ्त और रियायती बिजली उपलब्ध कराना, पुरानी पेंशन योजना बहाल करना, कृषि ऋण माफा करना और महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह देना शामिल है।

उम्मीदवारों पर कांग्रेस की मंथन, कमलनाथ बोले- 6-7 दिनों में ले लिया जाएगा फैसला

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने के लिए दिल्ली में कांग्रेस की केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई। राज्य में चुनावी घमासान से पहले सत्तारूढ़ भाजपा और कांग्रेस ने अपना चुनाव अभियान तेज कर दिया है। दोनों पार्टियों ने अपने शीर्ष नेताओं और प्रचार अभियान के दिग्गजों को लगा दिया है, जिसमें पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह ने भाजपा के लिए प्रचार अभियान को आगे बढ़ाया है और राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य प्रमुख नेता मतदाताओं का विश्वास जीतने के लिए कांग्रेस के प्रयासों का नेतृत्व कर रहे हैं। कांग्रेस की बैठक सोनिया गांधी के अवास पर हुई। बैठक में सोनिया गांधी के अलावा राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, कमलनाथ और अन्य वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

बैठक के बाद मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष कमल नाथ ने कहा कि हमने कई नामों पर चर्चा की है। फिलहाल कोई फैसला नहीं लिया गया है. अगले 6-7 दिनों में फैसला ले लिया जाएगा। हमने 130-140 सीटों पर चर्चा की है... एक और बैठक बुलाकर निर्णय लिया जाएगा। मध्य प्रदेश चुनाव के लिए भाजपा पहले ही उम्मीदवारों की दो सूचियां जारी कर चुकी है। उनकी दूसरी सूची में केंद्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद सिंह पटेल और फग्गन सिंह कुलस्ते सहित राज्य के कई भाजपा दिग्गज शामिल थे। कांग्रेस मध्य प्रदेश में भाजपा से सत्ता छीनने की कोशिश कर रही है, राहुल गांधी और उनकी बहन और पार्टी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा पहले से ही राज्य में कई रैलियां कर रही हैं।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस का जोर

कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा क्रमशः 10 और 12 अक्टूबर को चुनावी राज्य मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर जनसभा को संबोधित करेंगे। पार्टी के एक पदाधिकारी ने यह जानकारी दी। मध्य प्रदेश की 230 सदस्यीय विधानसभा के लिए इस साल नवंबर में चुनाव होने हैं। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जहां राज्य में अपनी सरकार बरकरार रखने का प्रयास कर रही है, वहीं विपक्षी दल कांग्रेस सत्ता में लौटने की कोशिशों में जुटी है। प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष के के मिश्रा ने कहा, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 10 अक्टूबर को शहडोल जिले के ब्योहारी में एक रैली को संबोधित करेंगे। वहीं, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा 12 अक्टूबर को मंडला में एक जनसभा को संबोधित करेंगी।

गुजरात लंबे समय से आर्थिक मामलों में देश का लीडर रहा : जयशंकर

-10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के उद्घाटन समारोह में बोले विदेश मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुजरात के लोगों की सराहना करते हुए कहा कि गुजरात लंबे समय से आर्थिक मामलों में देश का लीडर रहा है। उन्होंने गुजरात के लोगों के बड़े आर्थिक योगदान को रेखांकित करते हुए उनकी उद्यमिता, जोखिम लेने की क्षमता और पूरी दुनिया में मौके तलाशने की इच्छा पर अपनी बात रखी है। 10वीं वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट के उद्घाटन समारोह में एस जयशंकर ने कहा कि गुजरात लंबे समय से इस देश का आर्थिक मामलों में लीडर रहा है। वहां के लोग उद्यमिता, जोखिम लेने की क्षमता, या दुनिया भर में अवसर तलाशने की इच्छा के लिए मशहूर हैं। गुजराती समुदाय की पूरी दुनिया में मौजूदगी के बारे में जयशंकर ने कहा कि 'दुनिया में ऐसा कोई देश नहीं है जहां कोई गुजराती न हो, और कभी-कभी मुझे संदेह होता है कि यही कारण है कि उन्होंने विदेश मामलों के मंत्री को उस राज्य से संसद में भेजने का विकल्प चुना।' विदेश मंत्री जयशंकर ने भारत के आर्थिक जगत में गुजरात के महत्व को सामने रखते हुए कहा कि गुजरात सबसे आगे और लीडर रहा है, इसलिए गुजरात में आर्थिक घटनाओं का बहुत विशेष महत्व है।

विदेश मंत्री ने गुजरात से जुड़ी प्रमुख आर्थिक गतिविधियों का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे के भारत में अंतिम बिंदु के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जो हाल ही में जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान एक महत्वपूर्ण फोकस रहा था। जयशंकर ने आगे कहा कि यह पुराना है। अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा को अब और अधिक प्रोत्साहन मिल रहा है। यहां भी भारत के लिए टेक-ऑफ बिंदु भारत का पश्चिमी तट है, विशेष रूप से गुजरात का तट है। इसमें दो गलियारे हैं, भारत को पश्चिम एशिया/मध्य पूर्व से जोड़ने वाला गलियारा और पश्चिम एशिया/मध्य पूर्व को यूरोप से जोड़ने वाला उत्तरी गलियारा शामिल हैं। विदेश मंत्री ने हाइब्रिड ऊर्जा पार्क और फूड पार्क की बात करते हुए कहा कि इसकी योजना गुजरात ने बनाई है।

प्रियंका चतुर्वेदी ने राघव चड्ढा का किया समर्थन, बोलीं- एक व्यक्ति को बनाया जा रहा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कोर्ट के आदेश के बाद राज्यसभा सचिवालय द्वारा आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा का बंगला आवंटन रद्द किए जाने के बाद शिवसेना (यूबीटी) उनके समर्थन में आ गई है। अब, भाजपा पर %प्रतिशोधात्मक रवैया% अपनाने का आरोप लगाते हुए, उद्धव सेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने दावा किया कि बहुत से लोगों को समय से पहले आवंटन दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों को ऐसे घर पाने का सौभाग्य मिला है जो उनकी श्रेणी में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर रिकॉर्ड चेक किया जाए तो पता चलता है कि बहुत से लोग टर्म अलॉटमेंट से बाहर हो जाते हैं। बहुत से लोगों को ऐसे मकान मिल जाते हैं जो उनकी श्रेणी में नहीं होते। एक व्यक्ति को निशाना बनाना सत्तारूढ़ दल के प्रतिशोध की भावना को दर्शाता है। इससे पहले, आप के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने अपने बंगले का आवंटन रद्द करने के कदम की निंदा करते हुए इसे ÷मनमाना और अभूतपूर्व÷ बताया। चड्ढा ने आरोप लगाया कि रद्दीकरण भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा अपने राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए किया गया था। चड्ढा ने कहा कि राज्यसभा के 70 से अधिक वर्षों के इतिहास में यह अभूतपूर्व है कि एक मौजूदा सदस्य को उसके विधिवत आवंटित आवास से हटाने की मांग की जा रही है। चड्ढा करीब चार साल पहले सरकारी बंगले में आये थे। यह तब हुआ जब दिल्ली की एक अदालत ने शुक्रवार को आवंटन रद्द होने के बाद सरकार द्वारा प्रदत्त आवास पर कब्जा जारी रखने के उनके अधिकार के खिलाफ फैसला सुनाया। अदालत के हवाले से कहा गया था कि वादी (राघव चड्ढा) यह दावा नहीं कर सकता कि उसे राज्यसभा सदस्य के रूप में अपने पूरे कार्यकाल के दौरान आवास पर कब्जा जारी रखने का पूर्ण अधिकार है। सरकारी आवास का आवंटन केवल वादी को दिया गया विशेषाधिकार है, और आवंटन रद्द होने के बाद भी उसे उस पर कब्जा जारी रखने का कोई निहित अधिकार नहीं है। चड्ढा के अनुसार, आवंटन को शुरू में राज्यसभा के सभापति ने उनके लिए विशिष्ट विभिन्न कारकों पर विचार करते हुए मंजूरी दे दी थी।

सत्ता पाने के लिए झूठे वादे करने का राहुल गांधी का मॉडल विफल हो गया है : अनुराग ठाकुर

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन पर सत्ता हासिल करने के लिए 'झूठे' वादे करने का आरोप लगाया और कहा कि गारंटी पूरी नहीं करने का उनका मॉडल कांग्रेस शासित राज्यों में विफल हो गया है।

कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में मुफ्त और रियायती बिजली उपलब्ध कराने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, कृषि ऋण माफ करने, महिलाओं को 1,500 रुपये प्रति माह देने और कुछ अन्य गारंटी की घोषणा की है। ठाकुर ने शुक्रवार रात यहां एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, 'ये गारंटी राजस्थान और छत्तीसगढ़ में विफल हो गईं। वे (कांग्रेस नेता) उन राज्यों में मुंह दिखाने लायक नहीं बचे हैं। जब मध्य प्रदेश में उनकी सरकार थी, तब राज्य में हाहाकार मच गया था।'

केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि इन राज्यों में कांग्रेस सरकार कृषि ऋण माफ करने और बेरोजगारी भत्ता प्रदान करने में विफल रही, जैसा कि पार्टी ने पहले घोषणा की थी। उन्होंने गोबर खरीदने और रोजगार देने जैसे अन्य वादों का जिक्र करते हुए कहा, 'वे केवल चुनावों के दौरान लॉलीपॉप और झूठी गारंटी देने आते हैं। हिमाचल प्रदेश में उन्होंने प्रत्येक महिला के बैंक खाते में प्रति माह 1500 रुपये स्थानांतरित करने की गारंटी दी, लेकिन 10 महीने बाद भी एक रुपया नहीं दिया गया।'

ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश और कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार ने विकास पर पैसा खर्च करना बंद कर दिया है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा, 'मैं राहुल गांधी से पूछना चाहता हूं-यह कौन-सा मॉडल है? झूठी गारंटी दें और सत्ता हासिल करें, फिर गारंटी पूरी न करें और विकास भी रोक दें। राहुल गांधी का यह मॉडल विफल हो गया है।'

ठाकुर, जो खेल और युवा मामलों के मंत्री भी हैं, ने एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारतीय एथलीटों ने इन खेलों में भारत के लिए अब तक के सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड भी बनाया है। एशियाई खेलों में भारतीय महिला कबड्डी टीम द्वारा एक रोमांचक मुकाबले में चीनी ताइपे को 26-25 से हराने के बाद भारत ने इन खेलों में अभूतपूर्व 100वां पदक जीता। इस उपलब्धि की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी सराहना की।

अगले चुनाव में राहुल गांधी करेंगे देश का नेतृत्व

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी अगले चुनाव में देश का नेतृत्व करेंगे। कांग्रेस नेता ने पीएम नरेंद्र मोदी और सांसद राहुल गांधी के पोस्टरों को लेकर बीजेपी और कांग्रेस के बीच जारी खींचतान के बीच कहा कि बीजेपी राहुल गांधी की लोकप्रियता से डर गई है क्योंकि भारत जोड़ो यात्रा के बाद सांसद के बारे में जो धारणा बीजेपी ने बनाने की कोशिश की थी, वह बदल गई है। डीके शिवकुमार ने कहा ?कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल गांधी के बारे में जो धारणा बीजेपी ने बनाने की कोशिश की है, बदल गयी है। वह ऐसे नेता हैं जिन पर नजर रहेगी। वह अगले चुनाव में देश का नेतृत्व करेंगे। बता दें ?कि कांग्रेस और बीजेपी के बीच इन ?दिनों सोशल मीडिया पर पोस्टर वॉर जारी है। कांग्रेस द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सबसे बड़ा झूठा बताने वाले पोस्टर साझा करने और भाजपा द्वारा राहुल गांधी को नए युग का रावण कहने के एक दिन बाद, शुक्रवार को भी लड़ाई जारी रही और कांग्रेस ने एक पोस्टर साझा किया जिसमें पीएम मोदी को अडानी की कठपुतली के रूप में दर्शाया गया है। तस्वीर में पीएम मोदी अपनी बाहें फैलाए खड़े हैं और उनके नाम पर अडानी लिखा हुआ है।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अक्सर सरकार पर अडानी समूह के साथ संबंध रखने और समूह को अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप लगाते हैं। इसके कुछ घंटे बाद बीजेपी ने इस हमले का जवाब एक पोस्टर शेयर कर दिया, जिसमें राहुल गांधी को अरबपति जॉर्ज सोरोस की कठपुतली के तौर पर दिखाया गया है। सोरोस पर कई बार वैचारिक कारणों से कई देशों की चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नए युग के रावण पोस्टर पर तीव्र हमला बोला है। इसके नेताओं ने कहा कि इस टिप्पणी ने उनकी हत्या के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के नापाक इरादों को उजागर किया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत उधना में सिटी बस ने युवक को कुचला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सिटी बस से एक और हादसा हो गया, सीसीटीवी से पोल खुली
पैदल यात्री बीआरटीएस लेन से सड़क पार कर रहा था। किसकी गलती?
अब हादसे रोकने के लिए पुलिस प्रशासन क्या करेगा?

सूरत बीआरटीएस से हादसों की खबरें अक्सर आती रहती हैं। फिर एक ऐसा डरावना वीडियो सामने आया है, जिसमें ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उधना बीआरटीएस मार्ग पर कोई गंभीर हादसा हुआ है। सामने आया है कि बस ड्राइवर की लापरवाही से एक युवक की जान चली गई। बस ड्राइवर ने युवक को कुचल दिया था लेकिन सीसीटीवी सामने आने के बाद कार्रवाई शुरूहो गई है। सूरत के उधना में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई जब एक सिटी बस ड्राइवर ने बीआरटीएस स्ट से सड़क पार कर रहे एक युवक को कुचल दिया। इतना ही नहीं, पुलिस को घटना का सीसीटीवी हाथ लगा है और आगे की जांच की जा रही है। युवक के बारे में कहा जा सकता है कि सिटी बस चालकों ने बड़ी लापरवाही बरती है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि ऐसे हादसे को रोकने के लिए पुलिस क्या करेगी? स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना उधना इलाके की है। सिटी बस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। घटना का लाइव सीसीटीवी फुटेज सामने आया। कंपकंपा देने वाले वीडियो में युवक सड़क पार करता साफ नजर आ रहा है। तभी बस युवक को टक्कर मारकर कुचल देती है। वीडियो को देखकर कहा जा सकता है कि हादसे के बाद बस ड्राइवर ने ब्रेक नहीं लगाए। सूत्रों ने आगे बताया कि इसे सूरत नगर निगम के बीआरटीएस विभाग की घोर लापरवाही कहा जा सकता है। सिटी बस चालकों की लापरवाही से बढ़ती दुर्घटनाओं के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। लोगों में आक्रोश व्याप्त है। कहा जा सकता है कि सूरत नगर निगम का प्रशासन गहरी नींद में है। ऐसा लग रहा है कि यह सीटी बस नहीं बल्कि यमदूत वाहन है। ऐसे में बड़ा सवाल यह है कि जब पैदल यात्री बीआरटीएस लेन के अंदर सड़क पार कर रहा था तो इसमें गलती किसकी है?

रांदेर के ताड़वाड़ी में घटिया इशारे कर रहे युवक को लोगों ने पकड़कर पीटा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में कुछ दिनों से एक पैटर्न बन रहा है कि लोग सार्वजनिक रोमियोगिरी करनेवाले की पीटाई करते नजर आ रहे है। रांदेर के ताड़वाड़ी इलाके में लोगों ने युवक को पकड़ लिया और पीटाई की। पूरी घटना को किसी ने मोबाइल फोन पर रिकॉर्ड कर लिया तो ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

रांदेर के ताड़वाड़ी इलाके में युवक को गिरफ्तार कर पीटाई की। इस पूरी घटना का वीडियो वायरल हो गया है जिसमें लोग कहते नजर आ रहे हैं कि ये युवक एक लड़की के साथ खड़ा था. साथ ही भद्दी छेड़खानी भी की जा रही थी. मारो-मारोनी के नारों के बीच लोगों ने युवक को एक के बाद एक थप्पड़ मारे। इस बीच पूरी घटना का स्थानीय लोगों ने वीडियो बना लिया. अब यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. हालांकि, पूरी घटना के वीडियो की जीएसटीवी पुष्टि नहीं करता है.

सनिया हेमाद में कुटीर उद्योगों के विरोध के खिलाफ रैली निकाली और कलेक्टर को ज्ञापन दिया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत सनिया हेमाद में कुटीर उद्योगों के विरोध के खिलाफ रैली निकाली और कलेक्टर को ज्ञापन दिया,कुछ लोगों के इशारे पर नगर निगम ने नोटीस जारी करने पर रैली निकाली गई

एसएमसी द्वारा सनिया-हेमाद गांव में कुटीर औद्योगिक योजना पास को मंजूरी दि गई थी। उसके बावजूद कुछ लोगों के विरोध के चलते एसएमसी द्वारा दिये गये नोटिस को वापस लेने तथा छोटे एवं मध्यम वर्ग के लोगों को रोजगार देने की मांग को लेकर रैली का आयोजन किया गया। बाइक और टेंपो से आए लोगों ने बैनर और तख्तियां दिखाकर विरोध जताया। साथ ही कलेक्टर को आवेदन पत्र भी दिया।

सनिया-हेमाद गांव में कृष्णा इंडस्ट्रियल पार्क, एथिक एम्ब्रो, शुभम् इंडस्ट्रीज विभाग १,२,३, श्याम एम्ब्रो, वृंजा एम्ब्रो सहित विभिन्न कुटीर उद्योग चल रहे हैं। वर्तमान में सोसायटी के युनिटों में ऑनलाइन बिजनेस, हाथ की कढ़ाई, सिलाई, हाथ का काम, कढ़ाई मशीन जैसे उद्योग चल रहे हैं। जिसका विरोध कुछ लोगों द्वारा विरोध किया जा रहा है।

विरोध के बाद नगर पालिका ने यूनिट को सील कर दिया है। यहां के उद्योगों में कई तरह के व्यवसाय और रोजगार चल रहे हैं। यूनिट धारकों ने नोटीस के खिलाफ रैली निकालकर कलेक्टर को आवेदन पत्र देकर कहा कि यह कुटीर उद्योग से किसी को कोई परेशानी नही है। यह कुटिर उद्योग से हजारों लोगों को रोजगार मिल रहा है। नगर निगम द्वारा मात्र कुछ लोगों के इशारों पर कुटिर उद्योग बंद करने के जो नोटीस जारी किए है उसे तत्काल वापस लेना चाहिए।

जीसीसीआई अधिकारियों और दक्षिण गुजरात के औद्योगिक संघों के बीच इंटरैक्टिव बिजनेस ग्रोथ बैठक आयोजित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

एसजीसीसीआई द्वारा आयोजित बैठक में विभिन्न औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों ने उद्योग से जुड़े मुद्दों पर प्रस्तुतियां दीं

सूरत। दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एसजीसीसीआई) ने शनिवार 7 अक्टूबर, 2023 को गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री - अहमदाबाद में वरिष्ठ उपाध्यक्ष संदीप इंजीनियर, मानद मंत्री अपूर्व शाह और मानद मंत्री क्षेत्रीय प्रशांत पटेल और दक्षिण गुजरात के विभिन्न औद्योगिक संघों के प्रतिनिधियों के साथ इंटरएक्टिव बिजनेस ग्रोथ मीटिंगसमहती, सरसाना में आयोजित की थी। जिसमें औद्योगिक संघों ने उनके सामने आने वाले विभिन्न उत्कृष्ट मुद्दों पर प्रस्तुतियाँ दीं। गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पदाधिकारियों को कपड़ा क्षेत्र में हाल ही में लागू गुणवत्ता नियंत्रण आदेश के कारण उत्पन्न स्थिति से अवगत कराया गया। वॉटरजेट बुनाई उद्योग के पर्यावरण से संबंधित मुद्दों पर एक प्रस्तुति भी दी गई। इसके अलावा उद्योगपतियों ने टेक्सटाइल की टफ योजना के बारे में भी जानकारी दी। सूरत में अंतर्राष्ट्रीय हवाई कनेक्टिविटी पर भी चर्चा की गई।

दक्षिण गुजरात वार्प निटर्स एसोसिएशन ने उनके सामने आने वाले विभिन्न मुद्दों पर एक प्रस्तुति दी। उद्योगपतियों द्वारा एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण) की लाइसेंसिंग प्रक्रिया के संबंध में एक प्रस्तुतिकरण भी दिया गया। विभिन्न संघों के प्रतिनिधियों ने गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की विभिन्न समितियों में नियुक्ति के लिए अनुरोध किया।

दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष रमेश वघासिया ने एसजीसीसीआई ग्लोबल कनेक्ट मिशन 84 परियोजना प्रस्तुत की और भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए गुजरात सहित देश भर से निर्यात बढ़ाने के लिए इस परियोजना के महत्व पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने कहा कि चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा मिशन 84 के तहत अगली तारीख को 21 अक्टूबर 2023 को सूरत में भारत के केंद्रीय मंत्री की उपस्थिति में 'चैंबर टू चैंबर कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया गया है, जिसमें पूरे भारत के सभी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री को आमंत्रित किया गया है। मिशन 84 के तहत देश के सभी चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के पदाधिकारी और प्रतिनिधि एक मंच पर आएंगे और एक दूसरे के साथ प्रोफेशनल विचारों का आदान-प्रदान करेंगे।

जीसीसीआई और एसजीसीसीआई दोनों एक-दूसरे के साथ पेशेवर विचारों का आदान-प्रदान करने पर सहमत हुए। इसके अलावा जीसीसीआई की युवा शाखा सूरत आएगी और एसजीसीसीआई की युवा शाखा के साथ बैठक कर इस बात पर भी सहमति बनी कि गुजरात के युवा उद्यमियों को व्यापार में मार्गदर्शन देने के उद्देश्य से दोनों वाणिज्य मंडल मिलकर विभिन्न गतिविधियां करेंगे। और निर्यात बढ़ रहा है। उक्त इंटरैक्टिव बिजनेस ग्रोथ मीटिंग में चेंबर ऑफ कॉमर्स के उपाध्यक्ष विजय मेवावाला, मानद मंत्री निखिल मद्रासी, पूर्व अध्यक्ष आशीष गुजराती, ग्रुप चेयरमैन भावेश टेलर एवं चेंबर एसोसिएशन संपर्क समिति के सलाहकार देवकिशन मंघानी एवं विभिन्न औद्योगिक संघों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सूरत शहर के पुलिस स्टेशन में ओलपाड, कामरेज तहसिल के गांवों को शामिल करने मुख्यमंत्री कार्यालय का आदेश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

स्थानिय नेता दर्शन नायक ने 9 गांवों को सूरत पुलिस कमिशनर क्षेत्र अंतर्गत शामिल करने मुख्यमंत्री को ज्ञापन दिया था

सूरत। गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव दर्शनभाई नायक ने दिनांक 01/10/2022 को गुजरात के मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा था। जिसमें च्ओलपाड-कामरेज तहसिल के वेलंजा, उमरा, गोथन, वसवारी, सेगवा, कठोड सहित ग्रामीण क्षेत्रों का शहरीकरण किया जाना चाहिए। इस क्षेत्र को सूरत नगर निगम में शामिल हुए काफी समय बीत चुका है और इस क्षेत्र की आबादी दो लाख से अधिक है। निकट भविष्य में रिंग रोड भी इस क्षेत्र से होकर गुजरेगी और आबादी बढ़ने की संभावना है। क्योंकि इस क्षेत्र में औद्योगिक और बड़े आवासीय क्षेत्र हैं। यह क्षेत्र शहरी और राजमार्ग से जुड़ा क्षेत्र है, जिसके कारण लोगों का मानना है कि कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए कर्मचारी, उपकरण और अन्य संगठनात्मक व्यवस्थाएं अलग होनी चाहिए। क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति ग्रामीण चौकी द्वारा संभाली जाती है। लेकिन ग्रामीण पुलिस विभाग में स्थापना की कमी के कारण इस ग्रामीण क्षेत्र में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ती रहती है। आए दिन चोरी-डकैती, दुर्घटनाएं होती रहती हैं। इस ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ती समस्या के कारण उचित समन्वय के अभाव में यातायात व्यवस्था भी बाधित हो रही है। इसलिए हमारी मांग है कि सूरत नगर निगम में शामिल वेलंजा, उमरा, गोठान, वासवारी, सेगवा सहित ग्रामीण क्षेत्रों की पुलिस चौकी को शहरी क्षेत्र के नजदीकी पुलिस स्टेशन में शामिल किया जाए या अलग से पुलिस स्टेशन बनाया जाए। इस ग्रामीण क्षेत्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति अच्छी तरह से बनाए रखी गई है और पुलिस कृपया इन गांवों को आयुक्त के नियंत्रण में लाने के लिए कदम उठाए।"

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (प्रशासन), गुजरात राज्य, गांधीनगर द्वारा दिनांक 22/09/2023 को दर्शन कुमार ए. नायक की प्रस्तुतीकरण के संबंध में कामरेज तहसिल के कठोर आऊटपोस्ट के वेलंजा, अब्रामा, कठोर गांव और खोलवड बीट के भादा गांव और उंभेल आऊट पोस्ट के कठोदरा एवं खडसद गांव और ओलपाड तालुका के खडसद गांव के साथ-साथ उमरा, गोथान और वसवारी गांव सूरत शहर सीमा क्षेत्र से संबंधित हैं। इसलिए कामरेज और ओलपाड तालुका के उपरोक्त गांवों को सूरत शहर क्षेत्र में शामिल किया जाना चाहिए या एक नया पुलिस स्टेशन दिया जाना चाहिए। पुलिस अधीक्षक सूरत ग्रामीन के साथ ही पुलिस आयुक्त सूरत शहर के पत्र के अनुसार सन्दर्भ-3 के अनुसार उपरोक्त गांवों को पुलिस थाने में शामिल करने की राय दी है।

वासवारी गांव- मौजूदा पुलिस स्टेशन ओलपाड- को सूरत शहर के अमरोली पुलिस स्टेशन में शामिल किया जा सकता है।

उमरा गांव-गोठान गांव -कठोर गांव-मौजूदा पुलिस स्टेशन को ओलपाड-सूरत शहर के उत्ताण स्टेशन में शामिल किया जा सकता है।

अब्रामा गांव- वेलंजा गांव-मौजूदा पुलिस स्टेशन को कामरेज-सूरत शहर के उत्ताण पुलिस स्टेशन में शामिल किया जा सकता है।

भादा गांव- कठोदरा गांव-खड़साद गांव- मौजूदा पुलिस स्टेशन कामरेज- सूरत शहर के सरथाणा पुलिस स्टेशन में शामिल किया जा सकता है

उपरोक्त विवरण के मद्देनजर, पुलिस महानिदेशक (प्रशासन), गुजरात राज्य, गांधीनगर को पुलिस आयुक्त, सूरत शहर से संबंधित पुलिस स्टेशनों में शामिल करने के संबंध में गृह विभाग, गुजरात राज्य सरकार से उचित आदेश प्राप्त करने के लिए सूचित किया गया है।

डी बीयर्स, ओडीसी कंपनी ने दो महिनों के लिए कच्चे हीरे की नीलामी रद्द करने के फैसले से हीरा उद्यमि खुश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत और मुंबई की कंपनियों के रफ न खरीदने के फैसले का असर खनन कंपनियों पर पड़ा

सूरत का हीरा उद्योग में मंदी, डिबियर्स, ओडीसी ने कच्चे हीरे की नीलामी रद्द की

पिछले करीब एक साल से मंदी का सामना कर रहे सूरत के हीरा श्रमिक खनन कंपनी डी बीयर्स के एक फैसले से खुश हैं। पॉलिश किए गए हीरों की मांग में कमी के बावजूद, सूरत के हीरा उद्यमियों को डी बीयर्स और अन्य खनन कंपनियों से कच्चे हीरे खरीदने पड़ते थे, लेकिन पिछले महीने सूरत-मुंबई की 100 हीरा कंपनियों ने एक साथ मिलकर दो महीने तक कच्चे हीरे (रफ डायमंड) नहीं खरीदने का फैसला किया। निर्णय के बाद, डी बीयर्स सहित खनन कंपनियों को अपनी व्यावसायिक नीतियों में बदलाव करना पड़ा।

सूरत और मुंबई की हीरा कंपनियों द्वारा रफ न खरीदने के फैसले का असर खनन कंपनियों पर पड़ा है। सूरत के हीरा उद्योग में मंदी के कारण दुनिया की सबसे बड़ी रफ सप्लायर कंपनी डी बीयर्स और ओडीसी को रफ हीरों की नीलामी रद्द करनी पड़ी है। दोनों कंपनियों ने हीरा बाजार की मौजूदा स्थिति को देखते हुए अलग-अलग साइट होल्डर्स से चर्चा के बाद यह फैसला लिया है।

ओडीसी ने नवंबर 2023 की स्पॉट नीलामी को रद्द करने के निर्णय की घोषणा की है। कंपनी 22 अक्टूबर से ३ नवंबर तक स्पॉट नीलामी और उसके बाद 6 नवंबर 2023 को स्पॉट नीलामी करने वाली थी। डी बीयर्स ने अभी भी धीमे चल रहे बाज़ार को स्थिर करने के प्रयास में वर्ष के अंत तक सभी ऑनलाइन रफ नीलामियों को निलंबित कर दिया है।

इस साल रफ सेल्स अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। सितंबर में केवल 200 मिलियन साइटें थीं लेकिन कोई खरीदार नहीं मिला। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि 2022 की अवधि की तुलना में कच्चे हीरे की बिक्री में 61 प्रतिशत की गिरावट आई है। अगस्त में बिक्री में 46 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए पहले स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा हो गया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 53 सचिन-पलसाना के बीच भाटिया टोल नाका के पास मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर (एनएचएसआरसीएल) बुलेट ट्रेन के लिए 70 मीटर लंबे पहले स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा हो गया है। पूरे कॉरिडोर में यह पहला स्टील पुल बनकर तैयार हो चुका हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग नं. 53 पर सचिन-पलसाना के बीच भाटिया टोल नाका के पास 70 मीटर लंबे मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए पहले स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा हुआ। यह मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए निर्मित किए जाने वाले 28 स्टील पुलों में से पहला हिस्सा है। इस स्टील ब्रिज के निर्माण में 70,000/- मीट्रिक टन स्टील का उपयोग किया गया है। राजमार्गों, एक्सप्रेसवे और रेलवे को पार करने के लिए स्टील पुल सबसे उपयुक्त हैं। प्रीकास्ट कंक्रीट पुलों के विपरीत, वे 40 से 45 मीटर तक फैले होते हैं, जो नदी पुलों सहित अधिकांश वर्गों के लिए उपयुक्त होते हैं। भारत के पास 100 से 160 किमी प्रति घंटे की गति से चलने वाली लंबी दूरी और सेमी-हाई स्पीड ट्रेनों के लिए स्टील ब्रिज बनाने की विशेषज्ञता है। यह पहली बार है कि 320 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली शिंकानसेन बुलेट ट्रेन को सहारा देने के लिए स्टील ब्रिज बनाया गया है और इसे सफलतापूर्वक और सटीकता के साथ लॉन्च किया गया है।

दिल्ली के पास हापुड जिले में एक कार्यशाला में पुल का ढाँचा बनाया गया जिसे निर्माण के बाद ट्रेलरों में पुल स्थल तक लाया गया। जो भाटिया टोल नाका से लगभग 1200 किमी दूर है। ब्रिज की स्टील संरचना जिसमें लगभग 700 टुकड़े थे और वजन 673 मीट्रिक टन था जिसे निर्माण के बाद ट्रेलरों में लोड किया गया और भाटिया टोल नाका के पास पुल स्थल पर लाया गया। निर्माण स्थल पर, 12 से 14 मीटर ऊंचे स्टील ब्रिज को 10 से 12 मीटर ऊंचे खंभों पर स्टेजिंग पर इकट्ठा किया गया था। लगभग 200 मीट्रिक टन वजनी लॉन्चिंग नोज को फिर मुख्य ब्रिज असेंबली के साथ जोड़ा गया। ब्रिज असेंबली को विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए पुलिंग सिस्टम द्वारा लॉन्च किया जाता है।

स्टील के प्रत्येक उत्पादन बैच का निर्माता के परिसर में अल्ट्रासोनिक परीक्षण (यूटी) द्वारा परीक्षण किया गया था। स्टील ब्रिज के निर्माण में जापानी इंजीनियरों द्वारा तैयार किए गए डिजाइन आरेख के अनुसार कटिंग, ड्रिलिंग, वेल्डिंग और पेंटिंग अत्याधुनिक और सटीक कार्य हैं। ठेकेदार को एक अंतरराष्ट्रीय वेल्डिंग विशेषज्ञ की देखरेख में एक वेल्डर को नियुक्त करने के लिए बाध्य है। वेल्डिंग प्रक्रिया की निगरानी प्रत्येक प्रयोगशाला

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा मोबाईल:-9879141 80 या फोटा,वीडियो हमें भेजे